वार्षिक रिपोर्ट

2020 - 21

जतन

जतन वार्षिक रिपोर्ट

सत्र 2020 - 21

संपादन एवं मार्गदर्शन : डॉ. कैलाश बृजवासी
सामग्री संकलन एवं डिजाइन : उत्कर्ष सुथार
मुखपृष्ठ : करौली जिले के मकनपुर पंचायत में दूर-दराज गाँव में कोरोना समय दौरान "घर घर शिक्षा" के माध्यम से शिक्षा मित्र द्वारा ली गई तस्वीर |
प्रकाशन : जतन संस्थान
मुद्रण : संजरी प्रिंटर्स, उदयपुर

(प्रकाशित सभी तस्वीर परियोजना तथा प्रकाशन से सम्बंधित अनुमति ली गयी है)

जतन संस्थान दक्षिणी राजस्थान में जमीनी स्तर पर काम करने वाली एक स्वैच्छिक संस्था है। जतन ने अपने काम की शुरुआत सन् **2001** में वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर राजस्थान के राजसमन्द जिले में की।

जतन आरम्भ से ही ग्रामीण और शहरी युवाओं, किशोर-किशोरियों, बच्चों व महिलाओं, निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि, प्रवासी मजदूर एवं समुदाय के वंचित वर्ग को विस्तृत कार्यक्रमों के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास, प्रवास एवं मातृत्व व प्रजनन स्वास्थ्य के मुद्दों पर लोगों की सूचनाबद्ध भागीदारी बढ़ाने और उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विजन

जतन एक ऐसे समाज की कल्पना करती है, जहाँ लोग स्वस्थ, सुरक्षित और खुशियों से भरी भेदभावमुक्त जिंदगी जी सकें।

मिशन

जतन राजस्थान के युवाओं को सूचना, संबलन व उचित अवसर उपलब्ध कराने और सशक्त बनाने के लिए प्रयासरत है ताकि युवाओं के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकें।

अनुक्रमणिका

निदेशक की कलम से ... 5

जतन की खासियत 6

हमारे कार्य क्षेत्र 7

जतन का एक साल एक झलक में ... 8

कोरोना काल में राहत का जतन... 10

किशोर-किशोरियों और युवाओं के साथ जतन 25

बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा एवं समग्र विकास के लिए 13

महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए... 35

स्वस्थ परम्पराएं... 43

कार्यकारिणी समिति एवं बैठकें 45

टीम जतन - कार्यकर्त्ता विवरण 46

साधारण सभा सदस्य सूची 46

सुर्खियाँ 52

अंकेक्षण प्रतिवेदन 47

जुड़ाव जतन से ... 55

संक्षिप्त रूप 54

निदेशक की कलम से...

प्रिय साथियों,
सत्र 2020 - 2021 के विशेष कार्यकाल की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अनेक शंकाओं से घिरा हूँ | विशेष कार्यकाल इसलिए क्योंकि ये सत्र कोरोना जैसी अनपेक्षित महामारी लेकर आया जिसने न केवल हमारे काम करने के तौर-तरीकों को प्रभावित किया बल्कि हमारी मानसिकता को भी बदलने का काम किया |

शंका इसलिए है क्योंकि अभी भी ये संकट टला नहीं है क्योंकि एक बार फिर से लॉकडाउन लग गया है |

ये समय हम सब के लिए कई महत्वपूर्ण सबक सीखने का समय रहा | हम सब ने सीखा भी, बल्कि बहुत ज्यादा सीखा | समाज कार्य के क्षेत्र विशेष में कार्य करने के मुद्दों की प्राथमिकताएँ अचानक से बदल गयीं | अब स्वास्थ्य और सुरक्षा सर्वोच्च पायदान पर आ गयी |

इस साल हमारे अधिकांश कार्यक्रम और परियोजनाएं समय की मांग को देखते हुए कोरोना राहत कार्यक्रम में परिवर्तित हो गए | ये बहुत ज़रूरी भी था | कोरोना संक्रमण की बढती गति से हर एक व्यक्ति भयभीत सा था | ऐसे समय में आवशयकता थी उचित और सही परामर्श और जन-जागरूकता की | सभी कार्यकर्ताओं ने सरकारी और गैर सरकारी संगठनों के साथ कंधे से कन्धा मिलकर इस चुनौती का सामना किया |

कार्य संस्कृति में भी बदलाव आया | ऑनलाइन प्रशिक्षण और बैठकों का दौर शुरू हो गया | प्रबंधकों से लेकर क्षेत्रीय कार्यकर्ता तक सभी लोग टेक्नो फ्रेंडली हो गए | इसका परिणाम ये हुआ कि एक ओर तो कार्य की मॉनिटरिंग प्रभावी तरीके से होने लगी दूसरी ओर अनावश्यक व्यय से भी मुक्ति मिलने लगी | बदलते समय के साथ कदम मिलाकर चलना जतन की संस्कृति रही है इसलिए समायोजन में समय भी नहीं लगा |
इसी क्रम में इस वर्ष पहली बार जतन ने अपना स्थापना दिवस 'जश्न-इ-जतन' ऑनलाइन मनाया और इसमें बड़ी संख्या में अपने संगी-साथियों और शुभेच्छुओं को जोड़ा |

इसी वर्ष FCRA के संशोधित नियमों के चलते जतन को २ महत्वपूर्ण परियोजनाओं, बाल विकास परियोजना, गोगुन्दा और पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की सशक्त भागीदारी को चाइल्ड फण्ड इंडिया और दि हंगर प्रोजेक्ट को लौटाते हुए लम्बी साझेदारी पर विराम भी लगाना पड़ा | दूसरी और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के सहयोग से 'ज्ञानोदय' और दिगंत जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शुभारम्भ भी हुआ जिसने राजस्थान के करौली और उदयपुर के कोटड़ा जैसे विहगम क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर काम शुरू किया |

यही नियम है जिसमें आना-जाना, शुभारम्भ और पूर्णता का सिलसिला चलता रहता है | ये सिलसिला हमें सबक सिखाता रहा है और आगे भी सिखाता रहेगा, क्योंकि हमारा मानना है कि आपका सहयोग और मार्गदर्शन हमारे साथ बना हुआ है | इसीलिए हम भी अभिप्रेरित होकर आगे बढ़ते रहते हैं | विशेषतः कोरोना जैसे कठिन काल में भी ! इसके लिए आप सब का आभार व्यक्त करना तो बनता ही है | हार्दिक आभार |

शुभकामनाओं के साथ
कैलाश

जतन की खासियत

जतन संस्थान कार्यकर्ता अपने सभी कार्यालय में प्लास्टिक की थैलियों और डिस्पोजेबल प्लास्टिक सामग्री का उपयोग नहीं करते हैं और अन्य लोगों को भी इसका उपयोग न करने के लिए प्रेरित करते है । जतन संस्थान परिसर तथा संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में प्लास्टिक बैग, प्लास्टिक पानी की बोतल, फ्लेक्स बैनर, प्लास्टिक फोल्डर्स, स्ट्रॉ, प्लास्टिक अथवा थर्मोकोल के कप, थर्मोकोल शीट्स, प्लास्टिक प्रिंटिंग मटेरियल, पैक्ड खाने के प्लास्टिक पैकेट या डिब्बे आदि का उपयोग नहीं करने के लिए कटिबद्ध है।

हम जानते हैं कि संसाधन बहुत सीमित हैं। अतः इनका सही और समुचित उपयोग करने पर हमारा जोर रहता है। यही कारण है कि हम किसी भी सामग्री का अधिक से अधिक उपयोग करने में विश्वास करते हैं चाहे वो माहवारी प्रबंधन के लिए काम में लिया जाने वाला सूती कपड़ा हो या एक तरफ इस्तेमाल किया गया कागज

हमारे द्वारा विकसित की जाने वाली सन्दर्भ सामग्री की पहुँच अधिक से अधिक लोगों तक सुनिश्चित हो सके इसके लिए हम कॉपी लेफ्ट नीति का पालन करते हैं। हम उन साथियों के प्रति अपना आभार भी व्यक्त करते हैं जो हमें, उनके द्वारा प्रयोग में ली जा रही जतन सन्दर्भ सामग्री के लिए श्रेय देते हैं।

हमारे कार्य क्षेत्र जहाँ मन रहता है, दिल बसता है ...

कोरोना काल की
संकट घड़ी में सभी के साथ...

बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा
एवं समग्र विकास के लिए

किशोर-किशोरियों और
युवाओं के साथ जतन

महिलाओं के सम्मान और
सशक्तिकरण के लिए

जतन का एक साल एक झलक में ...

उगेर टीम द्वारा 30000+ मास्क निर्माण

चाइल्ड लाइन टीम ने लॉक डाउन में खोये बच्चों को सेवाएँ दी...

सुमा नेटवर्क द्वारा 11 अप्रैल को राष्ट्रीय जननी सुरक्षा दिवस मनाया

कोरोना के लॉकडाउन के समय 1858 परिवारों को राशन सप्लाई

"साहित्य-रंग: जतन के संग" ऑनलाइन कार्यक्रम

जतन की इन बेटियों ने अब कोरोना संकट में महिलाओं की मदद की ठानी (सहाडा)

PFI ने फाया परियोजना के तहत पोस्टर विकसित किये

डूँगरपुर की गंगा ने सिखाया कपड़े के सेनिटरी पेड बनाना

जश्न-ए-जतन 2020 ऑनलाइन मनाया

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर ऑनलाइन बच्चो के साथ चर्चा राजसमंद के बच्चे सीधे मुखातिब हुए जिम्मेदार अफसरों से...

राजसमंद चाइल्ड लाइन टीम द्वारा बाल अधिकारिता विभाग के साथ मनरेगा साइट्स मुलाकात एवं बच्चों की देखरेख और अधिकारों पर खुलकर समुदाय के साथ संवाद

स्थानीय थाना टीम के साथ मिलकर खेरवाड़ा टीम द्वारा कोविड 19 से बचाव के तरीकों पर वाहन रैली का आयोजन

FAYA टीम द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस पर किशोर-किशोरी स्वास्थ्य संबंधित डूंगरपुर जिले के स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ संवाद

जतन ने मनाया 12 August को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस

20 August 2020 - एक साथ - समानता के मुद्दे पर "साथ-साथ चलने और आगे बढ़ने के लिए जरुरी है जेंडर संवेदनशीलता" पर संवाद

31 August को एक साथ अभियान अंतर्गत नवनियुक्त समानता साथियों का जतन द्वारा प्रशिक्षण

जतन का एक साल एक झलक में ...

जतन संस्थान द्वारा Hindustan Zinc और ICDS के सहयोग से राजसमंद जिले में आंगनवाडी केन्द्रों में नामांकित 6-59 माह के सभी बच्चों का स्वास्थ्य पोषण सर्वे

FAYA परियोजना अंतर्गत 19 सितम्बर को किशोर किशोरियों ने किया जिला कलक्टर से सीधा संवाद

स्थानीय वागडी भाषा में नारे लिखकर डूँगरपुर के कार्यकर्ताओं द्वारा कार्यक्षेत्र डूँगरपुर और दोवड़ा ब्लॉक के 50 गांवों में चलाया कोरोना जागरूकता अभियान

उदयपुर क्षेत्र में सितम्बर माह में राजपुष्ट परियोजना अंतर्गत गर्भावस्था दौरान स्वास्थ्य और पोषण संबंधित पोषण चैंपियन द्वारा जागरूकता अभियान

माहवारी स्वच्छता प्रबंधन - भारत दर्शन वेबिनार (आसाम, नागालैंड , कर्णाटक, मध्य प्रदेश और दिल्ली से जमीनी स्तर से जुड़े आवाज

जतन रेलवे चाइल्ड लाइन टीम ने मावली रेलवे स्टेशन के पास की झुग्गी बस्तियों के बच्चों के साथ मनाई अपनी दीवाली

जतन की समर्पित टीम "बाल विकास परियोजना - गोगुन्दा" एक गौरवान्वित विदाई (3-12-2020)

जतन संस्थान द्वारा हिन्दुस्तान जिंक और ICDS के साथ तीन दिवसीय 18 से 20 दिसम्बर 2020 तक आवासीय आमुखीकरण कार्यशाला माउंट आबू में आयोजित

मध्य प्रदेश सरकार और WaterAid India संस्था द्वारा जतन संस्थान के उगेर पैड्स की डिजाइन पर तैयार किया गया पोस्टर

जतन संस्थान, डूंगरपुर को पुलिस जिला मुख्यालय पर संचालित महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र संचालन शुरू

पूर्वीय राजस्थान में जतन की शुरुआत - शिक्षा क्षेत्र में परिवर्तन लाने हेतु "ज्ञानोदय परियोजना" के माध्यम से 250 विद्यालयों में गुणवत्तायुक्त शिक्षण की पहल (8 दिसम्बर 2020 से)

खेल-खेल में सीख ज़िन्दगी, खेल-खेल में सीख ! राजसमन्द जिले की 509 आंगनवाड़ी के बच्चों के लिए खेल और शाला पूर्व शिक्षण सामग्री का वितरण शुरू (19 मार्च 2020)

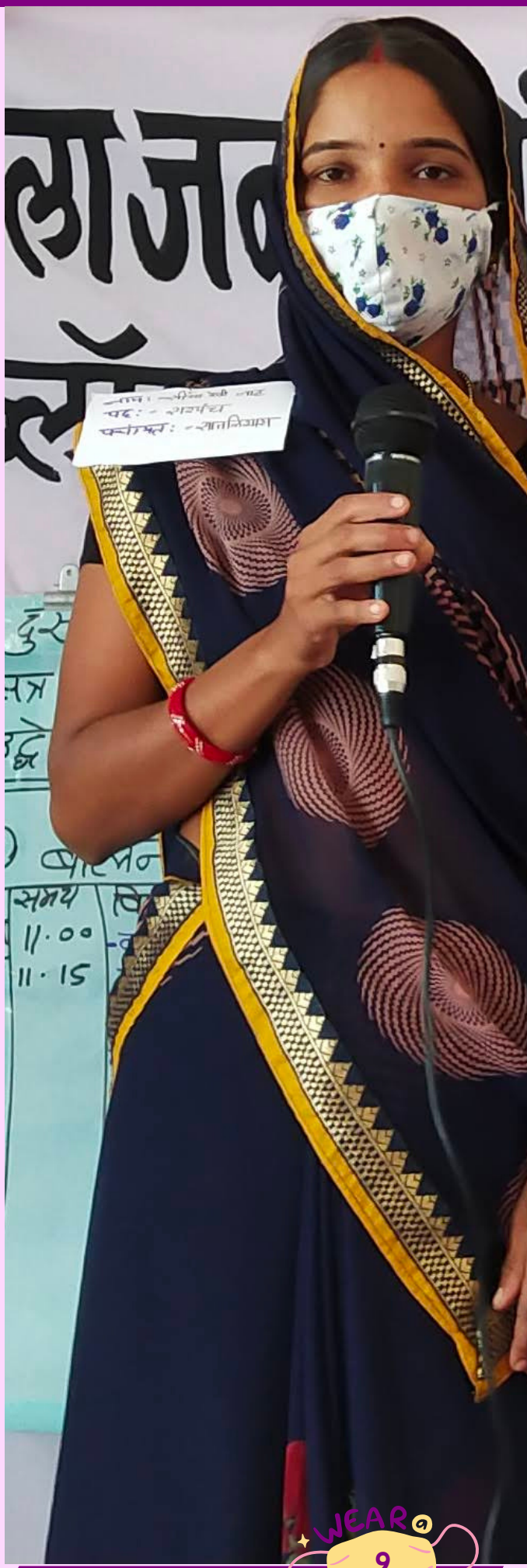

कोरोना काल में राहत का जतन...

33688+

भोजन किट तथा राशन सामग्री वितरण

8836+

बच्चों के साथ कोरोना में शिक्षा से सीधा जुडाव

21705 +

0-5 वर्ष के बच्चों की स्वास्थ्य जाँच

30000+

क्लॉथ मास्क निर्माण एवं वितरण

कोरोना काल में राहत का जतन...

इस राहत कार्य में मुख्यतः सहयोगी प्लान इंडिया, चाइल्ड लाइन, चाइल्ड फण्ड इंडिया व् अन्य स्थानीय भामाशाहों रहे जिन्होंने खाध्य सामग्री, स्वच्छता सामग्री एवं मास्क जैसी जरूरतमन्द वस्तुएं विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर, उपलब्ध करवाकर सहयोग प्रदान करवाया |

नेटवर्किंग : गोगुन्दा में आने वाले प्रवासियों की सुचना जिला प्रशासन को सूचित कर उपखंड क्षेत्र में प्रवासियों की स्वास्थ्य जांच हुई और नेटवर्किंग से **15** बसों से **400** लोगो की थर्मल स्क्रीनिंग की गई और प्रशासन के सहयोग को लेकर अनुमति भी प्राप्त की, जिसके लिए प्रशासन के सीधे सहयोग से गाँव में कार्य करने की अनुमति मिली |

टास्क फ़ोर्स : 35 गाँव से जुडाव और प्रशासन की सहायता को लेकर जतन संस्थान ने प्रशासन को जोड़ते हुए कोविड-19 टास्क फोर्स **व्हाट्स एप ग्रुप** बनाया, जिसमे प्रशासन के अधिकारी भी जुड़े और पारदर्शिता से कोविड 19 के गाँव में स्थिति, लोगो पर कोरोना की समझ और गाँव में प्रचार प्रसार पर कार्य को लेकर सभी युवाओं के साथ कार्य किया जिसकी सारी जानकारी प्रशासन से सीधे तौर पर जुड़ी रही थी |

रियुसेबल मास्क प्रोडक्शन : जतन की यूनिट “उगेर” के अंतर्गत उदयपुर कच्ची बस्ती क्षेत्र की महिलाओं द्वारा 30000 से अधिक रियुसेबल डबल लेयर क्लोथ मास्क का उत्पादन किया | विभिन्न संगठनों और संस्थाओं द्वारा इनका वितरण एवं उपयोग किया | “आप मास्क घर पर कैसे बना सकते हैं” संक्षिप्त मेनुअल बनाकर उसे ज़मीनी स्तर पर सोश्यल मिडिया के माध्यम से बड़े स्तर पर लोगों को प्रशिक्षित किया गया |

रियुसेबल मास्क का वितरण : राजसमन्द जिले की 1200 से अधिक फ्रंट लाइन वर्कर (आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा सहयोगिनी) को रियुसेबल क्लोथ मास्क को नि:शुल्क वितरण, मास्क का सही उपयोग, धोने - सुखाने आदि पर क्षमतावर्धन किया गया | इस दौरान राजसमन्द क्षेत्र की आंगनवाडी कार्यकर्ताओं, आशा सहयोगिनियों, कुपोषित बच्चों के परिवारों एवं प्रशासन द्वारा सूचित गए स्थानों पर मास्क वितरित किये गए | जिसका एक बड़ा हिस्सा ख़ुशी परियोजना की तरफ से मुहैया करवाया गया| सभी कुपोषित बच्चों से संबंद्ध परिवारों को परिवार सदस्य संख्या के अनुसार कुल 6500 मास्क ख़ुशी की तरफ से मुहैया करवाए गए | मास्क निर्माण में रेलमगरा के सखी महिला स्वयं सहायता समूह का भी योगदान महत्वपूर्ण रहा |

गरीब परिवारों तक राशन सामग्री पहुँचाने की सुनिश्चितता : राजसमन्द जिले के 350 से अधिक गांवों में ज़मीनी स्तर पर गरीब परिवारों तक सरकारी राशन सामग्री की पहुँच है या नहीं, यह सुनिश्चित करते हुए फिल्ड की स्थितियों से प्रशासन को अवगत करवाना ताकि "कोई भूखा न सोये" पर कार्य किया गया | मानवीय सहायता कार्यक्रम चलाया गया जिसका मुख्य उदेश्य कोविड 19 में जरूरतमंद परिवारों को मुख्य रूप से राशन सामग्री व् स्वच्छता किट उपलब्ध करवाना था ताकि वे परिवार के सदस्य को भोजन बनाकर अपना व उनका पेट भर सके और कोराना वायरस से बचने के लिये मास्क व साबुन का उपयोग निरंतर करा सकें | गोगुन्दा में भी तकरीबन 600 परिवारों के लिए राशन सामग्री वितरण का कार्य किया गया|

कोरोना काल में राहत का जतन...

मानवीय सहायता कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमे सहयोगी संस्थाए जैसे SANDVIK, प्लान इंडिया, व् जतन संस्थान का अमूल्य योगदान रहा |जतन संस्थान की मुख्य जिम्मेदारी रही की दी जाने वाली सामग्री की गुणवत्ता व् मात्रा को देखना, सामग्री की खरीदी कर प्रशासन से अनुमति लेकर लाभार्थियों तक पहुँचाना, साथ ही लाभार्थियों की पहचान कर उनकी सूचि तैयार करना और उन तक राहत पहुंचे यह सुनिश्चित करना | राहत सामग्री विशेष रूप से बागरिया, कालबेलिया, भील, रंगास्वामी, आदि जातियों के परिवार तक पहुंचाई गई और वितरण स्थान जैसे जरुरतमंदों के घर, क्वारान टाइन सेंटर, मनेरगा साईट और प्रशासन के राहत केंद्र तक पहुंचाए गए |

अतिकुपोषित बच्चों का पोषण सुनिश्चित करना

इस दौरान सबसे पहले कुपोषित बच्चों के परिवारों तक सूखा राशन किट पहुँचाने से शुरुआत हुई| इस कार्य में ख़ुशी परियोजना "no cost extension" से सहायता प्रेषित की गयी | जून आखिरी सप्ताह तक कुल 5232 परिवारों तक सूखा राशन किट पहुंचाए गए | इनमे 40% से अधिक परिवारों को यह सहायता सामग्री 02 अथवा 02 से अधिक बार पहुंचाई गई|चयनित 1220 कुपोषित बच्चों के परिवारों तक सहायता पहुंचाई गई | ख़ुशी परियोजना की तरफ से दो चरणों में कुल 1258 सूखा राशन किट वितरित किये गए | पहले चरण में 283 तथा दूसरे चरण में खमनोर- राजसमन्द ब्लॉक में CDPO आग्रह के बाद 975 परिवारों को राशन किट वितरित किये गए |

डिजिटल पोस्टर एवं वीडियो निर्माण (IEC) एवं प्रसार :

इस दौरान फिल्ड में पहल करते हुए पोस्टर तैयार कर हिंदुस्तान जिंक की सहायता से ख़ुशी परियोजना क्षेत्र में और अन्य परियोजना क्षेत्र में जागरूकता हेतु प्रसारित किया गया |ये पोस्टर मुख्यतः बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, कोविड से बचाव, आंगनवाडी कार्यकर्ताओं की हौंसला अफजाई आदि विषय आधारित तैयार किया गया |

300+
गाँव

500+
स्वच्छता किट

5000+
बालिकाओं को सेनेटरी पेड़

30000+
परिवार लाभान्वित

बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा एवं समग्र विकास के लिए

30761+

बच्चे लाभान्वित

जतन संस्थान

ख़ुशी परियोजना, राजसमन्द

HINDUSTAN ZINC
Zinc & Silver of India

ख़ुशी परियोजना, जतन संस्थान और हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा राजसमन्द जिले के रेलमगरा, राजसमन्द और खमनोर उपखंडों के सभी 509 आंगनवाडी केन्द्रों को सशक्त एवं मॉडल बनाने का एक सार्थक प्रयास है| परियोजना के तहत आंगनवाडी केन्द्रों पर समेकित बाल विकास योजना द्वारा प्रदत्त सभी 06 मुख्य सेवाओं को मज़बूत करना है, जिसमे पोषक तत्वो से पूर्ण पूरक पोषाहार उपलब्ध करवाना, शाला पूर्व शिक्षा का सुचारू एवं प्रभावी क्रियान्वयन, रेफरल सुविधाओं और बच्चों के स्वास्थ्य और स्वच्छता को बेहतर बनाते हुए समुदाय की भागीदारी को बढ़ाना है| साथ ही में बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध करवाने के लिए आंगनवाडी केन्द्रों को नन्दघर के रूप में विकसित करना प्रमुख कार्य है| यह परियोजना राजस्थान के पांच जिलों में अलग अलग साथी संस्थाओं के सहयोग से कार्यरत है| चयनित जिलों में राजसमन्द, उदयपुर, चितौडगढ़, अजमेर तथा भीलवाड़ा शामिल हैं |

आंगनवाडी केन्द्रों पर पूर्ण पूरक पोषाहार, शाला पूर्व शिक्षा का सुचारू एवं प्रभावी क्रियान्वयन, स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण व रेफरल सुविधाओं से बच्चों के स्वास्थ्य और स्वच्छता को बेहतर बनाते हुए समुदाय की भागीदारी एवं बेहतर आधारभूत संरचना उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से जतन संस्थान और हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा राजसमन्द जिले के रेलमगरा, राजसमन्द और खमनोर उपखंडों के सभी **509 आंगनवाडी केन्द्रों** पर ख़ुशी परियोजना का सञ्चालन किया जा रहा है |

- **स्वास्थ्य एवं कुपोषण की रोकथाम के प्रयास :-** क्लस्टर कोऑर्डिनेटर द्वारा आंगनवाडी स्टाफ व हितधारको के सहयोग से तीनो ब्लॉक में शिविर लगाकर 21705 बच्चों की स्वास्थ्य जाँच हुई, 477 कुपोषित बच्चों का ग्रोथ फ़ॉलोअप किया गया, 290 बच्चे कुपोषण वर्ग से बहार हुए, 61% बच्चे अतिकुपोषित वर्ग से बाहर हुए |
- **समुदाय सहभागिता :-** आंगनवाडी केन्द्रों पर सामुदायिक सहभागिता बढाने के लिए 261 केन्द्रों में स्थानीय निवासियों एवं हितधारको के साथ मिलकर **आंगनवाडी मैनेजमेंट समिति** का गठन हुआ | विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से ख़ुशी स्टाफ के प्रेरित करने से केंद्र पर समुदाय व पंचायतों से 1,07,05,349 रूपए का सहयोग मिला |

1,07,05,349/-

सहयोग मिला समुदाय और पंचायतों से

14975

परिवारों को कोरोना किट वितरण

290

MAM बच्चे हुए ठीक

335

आंगनवाडी केन्द्रों पर किचन गार्डन

166

स्वयं सहायता समूहों का हुआ क्षमतावर्धन
774 सदस्य हुए लाभान्वित

58

PD सत्र आयोजित,
2378 माताओं ने की शिरकत

57

अंक प्रकाशित हो चुके हैं रमत-घमत
मासिक पत्रिका के अब तक

ख़ुशी परियोजना, राजसमन्द

क्षमतावर्धन एवं प्रकाशन :- परियोजना के तहत आंगनवाडी केन्द्रों के स्टाफ, एएनएम व अन्य हितधारको का विभिन्न विषयों पर क्षमतावर्धन किया गया जिससे बदलाव देखने को मिला कि अब 94% नंदघर व 92% आंगनवाडी केंद्र समय से खुलने लगे है | साथ ही परियोजना के तहत आंगनवाडी केन्द्रों पर होने वाली गतिविधियों व नवीन विधाओं की जानकारी से अवगत करवाने हेतु रमत घमत पत्रिका के अब तक 57 अंक प्रकाशित हो चुकें है | आंगनवाडी को समझने हेतु आंगनवाडी का एक दिन नाम से चार कुंजियाँ निकाली गयी |

हरीश को मिला नया जीवन

22 दिसंबर को शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण जांच शिविर, राजसमन्द ब्लॉक में (राजसमन्द ग्रामीण ब्लाक) में हरीश (आयु 1.6 वर्ष) को जांच के लिए लाया गया | प्रारम्भिक जांच में पता चला कि बच्चे को अति गंभीर कुपोषण एवं एडिमा (स्तर 3) है | बच्चा लगभग बेसुध स्थिति में था | तत्काल सम्बंधित ANM ने बच्चे को आरके जिला अस्पताल, राजसमन्द रेफर और फिर वहां से उसे उदयपुर स्थित महाराणा भूपाल अस्पताल पुनः रेफर कर दिया |

अभिभावकों ने बच्चे को उदयपुर ले जाने से मना कर दिया | स्थानीय सरपंच, अन्य समाज के लोगों और चाइल्डलाइन से भी बात नहीं बनने पर केलवा थाने से प्रेशर डलवाया, तब अभिभावक राजी हुए और अगले दिन बच्चे को 108 एम्बुलेंस से उदयपुर ले जाया गया |

बच्चे की स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे 2 दिन ICU में भर्ती रखा | हालत में कुछ सुधार के बाद बच्चे को MTC वार्ड में शिफ्ट किया गया | आखिरकार 13 दिन अस्पताल में रहने के बाद दिनाक 05 जनवरी 2021 को हरीश को उदयपुर से डिस्चार्ज किया गया |

राजसमन्द जिले में कुल 110 नंदघर हिंदुस्तान जिंक की सहायता से बनाये गए है| इन नंदघरों पर की गई बाल चित्रकारी व सुख सुविधाओं से आंगनवाडीयों का स्वरूप ही बदल गया है जिससे समुदाय में एक अलग ही छवि निखर कर समाने आई है| नंदघर से प्रेरित होकर आत्मा पंचायत के तलाई गाँव के समुदाय ने भी ठीक नंदघर जैसा आंगनवाड़ी बनाने का सामूहिक निर्णय लिया जहाँ सभी बच्चों के लिए सुख सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए नल कनेक्शन करवाकर पीने के पानी की व्यवस्था व स्कूल से बिजली की व्यवस्था की गई जिससे केंद्र पर पंखा व् भामाशाह द्वारा प्रदान किया गया LED TV चल सके| साथ ही इस गाँव के स्थानीय चित्रकार की सहायता से समुदाय सहयोग द्वारा केंद्र पर बाल चित्रकारी की गई है जो की नंदघर पर बनाई गई चित्रकारी जैसी ही है| यह समुदाय के पूर्ण सहयोग से बनाया गया आदर्श नंदघर है जो की ख़ुशी साथी नन्दकिशोर पालीवाल व इस केंद्र की कार्यकर्ता के सांझे प्रयासों का ही परिणाम है| गाँव वाले इस प्रयास से बहुत खुश व स्वयं को गौरवान्वित मानते है |

18 से 20 दिसम्बर 2020 जतन संस्थान द्वारा हिन्दुस्तान जिंक और ICDS के साथ तीन दिवसीय आवासीय आमुखीकरण कार्यशाला माउंट आबू में...

चाइल्ड लाइन & चाइल्ड लाइन रेलवे

चाइल्ड लाइन मुसीबत में फंसे बच्चों के संरक्षण के लिए प्रारंभ की गयी भारत की प्रथम राष्ट्रीय स्तर की 24 घंटे निःशुल्क आपातकालीन टेलीफोन आउटरीच सेवा है। यह महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा विभिन्न सरकारी निकायों और संयुक्त राष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से संचालित की जाती है। जतन संस्थान द्वारा राजसमन्द जिले में चाइल्ड लाईन परियोजना को महिला एवं बाल विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग और पुलिस विभाग के साथ मिलकर वर्ष 2016 से विधिवत संचालित किया जा रहा है। इस सेवा के अन्तर्गत 24 घण्टे 1098 नम्बर पर बच्चों को सेवा उपलब्ध करवाई जाती है ।

चाइल्ड एडवाईजरी बोर्ड (CAB) बैठक - इस वर्ष चाइल्ड एडवाईजरी बोर्ड की 2 बैठक जिला कलेक्टर कार्यालय में आयोजित की गयी । जिसमें चाइल्ड लाइन द्वारा किये गए कार्यों, चुनौतियों व उपलब्धियों को जिला कलेक्टर के सम्मुख प्रस्तुत किया गया । बैठक में बच्चों से जुड़े जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ साथ स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि व हितधारक शामिल हुए ।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर जिला स्तरीय संवाद कार्यक्रम - राजसमन्द चाइल्डलाइन कॉलेब केंद्र के द्वारा 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस एवं जतन के 20 वें स्थापना दिवस पर जिले भर के बच्चों का प्रशासन, पुलिस और मीडिया के साथ “कोरोना और बचपन” विषय पर ऑनलाइन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया | ऑनलाइन संवाद कार्यक्रम में जिले भर के बच्चों ने बाल श्रम , बाल विवाह, पॉक्सो, लेंगिक भेदभाव आदि से संबंधित विषयों पर अधिकारियो से सीधे प्रश्न पूछे और अधिकारियों ने उनका जवाब दिया । कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री नरेन्द्र कुमार ने किया ।

चाइल्ड से दोस्ती सप्ताह – प्रत्येक वर्ष की भांति 14 से 20 नवंबर तक “चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह” का आयोजन किया गया । इस सात दिवसीय अभियान में बच्चों एवं हितधारकों के संग गतिविधियों का आयोजन किया गया ।

मेरी दिवाली भी उजियारी - जरूरतमंद बच्चों के लिए दिवाली त्यौहार पर एक विशेष 15 दिवसीय अभियान “मेरी दिवाली भी उजियाली“ की शुरुआत समुदायों के साथ की गई । इस अभियान के तहत भामाशाहों की मदद से जरुरतमंद बच्चों को मिठाइयाँ, खिलौने और कपडे जैसे उपहार दिए गए । कार्यक्रम के दौरान किसी भी भामाशाह से नकद राशि नहीं ली गयी | उन्हें स्वयं खरीद कर देने के लिए प्रेरित किया गया |

मनरेगा कार्य स्थल पर बच्चों की सुरक्षा व संरक्षण का संयुक्त अभियान - कोरोना संक्रमण के दौर में बच्चों, किशोर व किशोरियों की स्थितियां को जानने के लिए बाल अधिकारिता विभाग, जतन संस्थान व चाइल्डलाइन के संयुक्त तत्वाधान में 51 मनरेगा कार्य स्थल का अवलोकन कर बच्चों, किशोर व किशोरियों को कोविड संक्रमण से किस प्रकार खुद को सुरक्षित रख सकते है इसकी जानकारी दी गयी ।

चाइल्ड लाइन & चाइल्ड लाइन रेलवे

ई कंटेंट के जरियें दिया सन्देश बच्चों को बचाना है हमने यह ठाना है – कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान बच्चो कि सुरक्षा को सुनिश्चित करने तथा संकट में फंसे बच्च्चों को चाइल्डलाइन सेवाओं से जोड़ कर मदद दिलवाने के लिए कलेक्टर व जिला स्तरीय अधिकारियों के द्वारा 90 विडियो सन्देश तैयार कर आमजन तक पहुँचाया गया।

बच्चों से जुड़े अधिनियम पर प्रशिक्षण - स्पेशल जुवेनाइल पुलिस यूनिट व चाइल्डलाइन टीम मेम्बर का लैंगिक अपराधो से बालको का संरक्षण अधिनियम 2012 व किशोर न्याय अधिनियम (बालको की देखरेख एवं संरक्षण अधिनियम 2015) पर रिसोर्स पर्सन माननीय न्यायधीश महेंद्र जी दवे व पूर्व सदस्य राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग गोविन्द बेनीवाल द्वारा दो दिवसीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण दिया गया।

सिंगर बनने निकली बालिका को पुन: घर से जोड़ा

राणाप्रताप नगर रेलवे स्टेशन पर चाइल्डलाइन टीम द्वारा आउटरीच कार्यक्रम के दौरान एक मिसिंग बालिका मिली बात करने पर उसने बताया कि घर से बिना बताएं निकली हूँ और मुझे मुंबई जाना है वहा जाकर मै सिंगर बनूगी| टीम द्वारा बालिका का RPF थाना में रोजनामचा दर्ज करवाते हुए बालिका के सम्बन्धित जिले में माता पिता से संपर्क किया गया| बालिका को बाल कल्याण समिति के सम्मुख प्रस्तुत करके मनु सेवा संस्थान में अस्थाई आश्रय दिलवाया गया|चाइल्डलाइन टीम मेम्बर द्वारा काउंसलिंग में बालिका से चर्चा करने पर बालिका घर जाने के लिए तैयार हुई| माता पिता व पुलिस थाना बाल कल्याण समिति को दस्तावेज सुपुर्द करके बालिका को प्राप्त किया| अभिभावकों की आँखों में ख़ुशी के आंसू थे कि चाइल्डलाइन के माध्यम से बालिका घर जा रही थी |

महामारी के बीच बिछड़ों को अपनों से मिला रही चाइल्डलाइन

कोरोना महामारी के बीच जहाँ एक ओर सब कुछ बंद सा पड़ा था, ऐसे में अपनों से बिछड़े बच्चों को परिवार से मिलाने में चाइल्डलाइन टीम मुस्तैदी से जुटी हुई थी| मामले में एक मिसिंग बालक मिला | सूचना के तुरंत बाद टीम बच्चे को लेने के लिए रवाना हुई| राजसमन्द उपखंड अधिकारी सुशील कुमार को इस मामले पर अवगत करवाने पर उन्होंने बच्चे को लाने के लिए सम्बंधित पुलिस को सूचना की, जिससे लॉक डाउन के बीच बच्चे को लेकर टीम राजसमन्द पहुँच पाए | बालक की सुचना बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक कृष्णकांत सांखला व बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष भावना पालीवाल को दी गई, श्री सांखलाजी ने कोरोना के चलते बालक को उसके परिवार को खोज कर उसे अपने परिवार में सुपुर्दगी के मौखिक आदेश प्रदान किए|

घर खोजने में हुई मुश्किल : चाइल्डलाइन बालक को रिमझिम बरसात में गुंजोल लेकर रवाना हुए परन्तु बालक के सही पता नही बताने के कारण काफी स्थानों पर लेकर घूमते रहे| गाँव मे बहुत से लोगो के दरवाजे खटखटाए परन्तु किसी ने कोई जवाब नही दिया| एक बुजुर्ग ने बच्चे की पहचान की और बताया कि रेलमगरा का हो सकता है तो टीम ने तुरन्त स्थानीय आशा सहयोगिनी से बात कर बच्चे का फोटो व्हाट्सअप पर भेजा|आशा सहयोगिनी की मदद से परिवार का पता लगाकर बच्चे को उसकी माँ को सुपुर्द किया गया|

ज्ञानोदय परियोजना, करौली

शिक्षा क्षेत्र में पुर्वीय राजस्थान में हुई एक नई शुरुआत ...

"ज्ञानोदय" परियोजना जतन संस्थान द्वारा क्रियान्वित एवं सहयोगी संस्था NSE फाउंडेशन द्वारा संचालित एक महत्त्वाकांक्षात्मक ब्लॉक प्राथमिक शिक्षा परियोजना है | करौली जिलें में करौली ब्लॉक के 225 सरकारी प्राथमिक विधालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हेतु निम्नानुसार प्रमुख 04 मिशनों को प्राप्त करते हुए देखकर और अभिव्यक्त कर सिखने, कर के दिखाने और उन कार्यो पर आत्ममंथन करने में भी विश्वास करते हैं...

"ज्ञानोदय" परियोजना तीन स्तरों पर कार्य कर रही है:

1) ब्लॉक स्तर, 2) विद्यालय स्तर और 3) सामुदायिक स्तर

1) बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु विधालयों को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में प्रतिस्थापित करना |

2) उर्जावान युवासमूह को सशक्त कर पाना जो प्रणालीगत या प्रक्रिया आधारित बदलाव लाने के लिए सक्षम हो |

3) शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े नेतृत्वकर्ताओं की शैक्षणिक एवं वास्तविक जिम्मेदारियों को सुद्रढ़ करना |

4) ब्लॉक में हुए सभी नवाचारों और नई विचारधाराओं को जिला और राज्य स्तर पर साझा कर पाना |

विद्यालय - कोविड -19 की उस समय की तत्कालीन स्थिति को देखते हुए, जहाँ प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को स्कूलों में जाने की अनुमति नहीं थी | स्कूली शिक्षकों के साथ तालमेल बनाने और स्कूली बच्चों के साथ हस्तक्षेप करने के लिए, 75 चयनित स्कूलों में शिक्षा मित्र द्वारा एक पहल की गई थी। स्कूल के शिक्षकों को SMILE (सोशल मीडिया इंटरफेस फॉर लर्निंग एंगेजमेंट) ऑनलाइन पाठ्यक्रम को क्रियान्वित करने में मदद करने के लिए, 5 मिनट का वीडियो और कक्षावार सामग्री बच्चों के साथ घर-घर जाकर सीखने के लिए साझा की गई।

समुदाय - समुदाय ज्ञानोदय परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होने के कारण, स्वामित्व बनाने और परियोजना की शुरुआत को बनाए रखने के लिए, शिक्षा मित्र ने समुदाय के युवा स्वयंसेवकों की पहचान की है जो स्कूलों और समुदाय में उनकी अनुपस्थिति में उनके काम को बनाए रखने में उनकी मदद कर सकते हैं, जैसे स्कूल प्रक्रिया में भाग लेना, स्कूल असेंबली आयोजित करना, स्कूल विकास के लिए एजेंडा-आधारित बैठकों के साथ एसएमसी (स्कूल प्रबंधन समिति) में भाग लेना। समुदाय में एक ही स्थान पर बच्चों के साथ जुड़ने के लिए एक जीएलसी (ज्ञानोदय लर्निंग सेंटर) अवधारणा विकसित की गई है, जहां शिक्षा मित्र बच्चों के साथ अपना हस्तक्षेप कर सकते हैं। 75 सामुदायिक केंद्रों में से लगभग 68 की पहचान ग्राम पंचायत सरपंच या स्थानीय लोगों की मदद से अपने समुदायों में शिक्षा मित्र द्वारा की गई है, जहां बच्चों के साथ एक स्तर का हस्तक्षेप पहले ही शुरू किया जा चुका है।

शिक्षा विभाग तथा पंचायत प्रशासन के साथ - 12 मार्च 2021 को सभी करौली ग्राम पंचायत के पीईईओ, प्रखंड संसाधन व्यक्ति श्री मुकेश सिंह जी एवं सीबीईओ श्री शिवदत्त जेमिनी जी के साथ प्रखंड स्तरीय बैठक में ब्लॉक स्तर की चुनौतियों की पहचान की गई जैसे शिक्षकों के दृष्टिकोण से शिक्षाशास्त्र से संबंधित मुद्दे, एबीएल (गतिविधि-आधारित शिक्षा) अवधारणा पर चर्चा की और उनके साथ काम करने के तरीके पर चर्चा की जा रही थी। शिक्षा मित्र के काम करने की प्रकृति को समझने के लिए उनके स्कूलों में बच्चों और स्कूल टीचर और हेडमास्टर के साथ प्रारंभिक स्तर की परिचयात्मक बैठक आयोजित की गई।

ज्ञानोदय परियोजना

शिक्षा मित्र के साथ - वर्तमान शिक्षा प्रणाली पर युवा शिक्षा मित्र के विचार और उन्हें पूरे उत्साह के साथ काम करने के लिए प्रेरित करते हुए 3 मार्च से 7 मार्च 2021 (5 दिनों का आमुखीकरण) "LEARN – RELEARN - UNLEARN" विषयवस्तु पर आयोजित किया गया । इस कार्यशाला में जिला युवा अधिकारी श्री दिवाकर भाटी ने भी भाग लिया और अपने कुछ अनुभव साझा कर उन्हें प्रेरित करने के लिए शिक्षामित्र से बातचीत की। एकट बोधग्राम संस्था के सत्येन्द्र जी ने भी इंडक्शन में भाग लिया, जो मूकबधिर बच्चों के लिए काम कर रहे हैं, और ऐसे बच्चों के साथ काम करते हुए अपनी जीवन यात्रा साझा की। प्रत्येक 5 दिन अर्थपूर्ण, गतिविधि एवं अनुभव आधारित था, जैसे पहला दिन संस्था के मूल्यों और संस्कृति दूसरा और तीसरा दिन भाषा और गणित के प्रति नए शिक्षा दृष्टिकोण को समजना, चौथा दिन व्यक्तित्व विकास पर आधारित था जहाँ शिक्षामित्रों ने IWA (अधिकार के बिना प्रभाव), संचार कौशल पर प्रशिक्षण प्राप्त किया | पांचवां दिन समेकन पर आधारित था और उनके सीखने सिखाने की प्रक्रिया को प्रदर्शित किया गया।

अन्य सहयोगी संगठनों के साथ - 13 मार्च 2021 को ISAP, CECOEDECON और जतन संस्थान के बीच एक परिचयात्मक बैठक हुई और सभी संस्थाओं के कार्यकर्ताओं ने समूह चर्चा के माध्यम से कार्य क्षेत्र और एकदूसरे की विशेषज्ञता को समझा |

WEAR 19 MASK

बाल विकास परियोजना

ChildFund India

चाइल्ड फंड इंडिया के सहयोग से जतन संस्थान 2016 से गोगुन्दा ब्लॉक के 12 ग्राम पंचायत के 38 गांवों में बाल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत 0 से 24 आयु वर्ग के 2055 बच्चों एवं युवाओं के समग्र विकास का कार्य कर रही है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विभिन्न गतिविधियों और उनकी भागीदारी के माध्यम से समग्र विकास सुनिश्चित करना और बच्चों को न केवल बेहतर जीवन के समर्थन देना बल्कि कठिन परिस्थितियों से उबरने के लिए परिवार को सहायता भी प्रदान करना है।

एक बच्चे के जन्म से 24 वर्ष का होने तक विकास के आयाम को 3 चरणों में विभाजित किया गया है जो निम्न प्रकार से हैं:

जीवन चरण 1 – "स्वस्थ और सुरक्षित शिशु" सुनिश्चित करने के लिए जीवन चरण 1 में जन्म से 6 वर्ष तक के 834 बच्चों को परियोजना के माध्यम से लाभ दिया गया। इस चरण में जच्चा एवं बच्चा के स्वास्थ्य, पोषण पर कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही माता पिता को बच्चों के सकारात्मक पालन पोषण के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विभिन्न पॉजिटिव डेविएशन (समुदाय आधारित चूल्हा - पीडी) सत्रों के माध्यम से 80 माताओं को प्रशिक्षण भी दिया गया। समेकित बाल विकास परियोजना के तहत प्रजनन व बाल स्वास्थ्य पर प्रशिक्षण, गर्भावस्था पर संवेदीकरण कार्यक्रम, बचपन में होने वाली बिमारियों के बारे में जागरूकता, स्वस्थ्य आहार पद्धति, बच्चे एवं माँ के विकास निगरानी एवं टीकाकरण इस चरण के प्रमुख गतिविधियाँ है।

जीवन चरण 2 – "शिक्षित और आत्मविश्वास से भरे बच्चे" पर ध्यान केंद्रित करते हेतु इस चरण में 1036 बच्चों को लाभ पहूँचाया गया। इस चरण में बच्चों की गुणवत्तापूर्ण एवं भयमुक्त शिक्षा पर कार्य किया जा रहा है साथ ही किशोर किशोरियों के लिए माहवारी स्वास्थ्य प्रबंधन, प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य पर सत्र आयोजित किये जा रहे है ताकि बच्चों का समग्र विकास हो सके। जो बच्चे स्कूल छोड़ चुके है, उन बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए विशेष कक्षाएं लगाई जाती है और उन्हें पुनः स्कूल से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

जीवन चरण 3 – "कुशल और शामिल युवा" पर ध्यान केंद्रित करते हुए इस चरण में 185 युवाओं को लाभ दिया गया। इस चरण में युवाओं और किशोरों के लिए आजीविका के अवसर तलाशने और जीवन कौशल शिक्षा द्वारा उन्हें आत्म निर्भर बनाने का कार्य किया जाता है , इसके लिए किशोरों और युवाओं को जीवन कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने का कार्य किया जा रहा है।

उपरोक्त सभी चरणों के साथ बाल संरक्षण भी इस कार्यक्रम का अभिन्न हिस्सा है। संस्थान, बच्चों को घर व समुदाय में किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार, उपेक्षा, शोषण या हिंसा का सामना ना करना पड़े इसे भी सुनिश्चित करती है।

जतन की समर्पित टीम ... एक गौरवान्वित विदाई

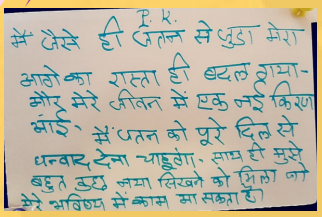

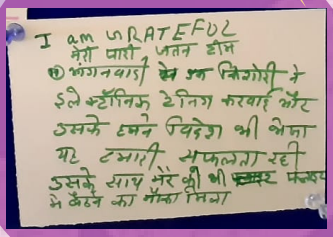

हमें सस्थान से बहुत कुछ सीखने को मिला है चाहे 30 नवंबर 2020 ही क्यों ना आखरी दिनांक हो लेकिन हम निस्वार्थ होकर भी बच्चो व गांव के कार्य और सहयोग में हम आधी रात को भी खड़े रहेंगे, जतन गोगुन्दा में रहे या न रहे पर जो जतन के कार्यकर्ता है वह जतन का नाम नहीं मिटने देंगे और गांव में लोगों को सेवा देते रहेंगे, जतन जिंदाबाद !

आपका अपना किशन लाल भील
असिस्टेंट कोऑर्डिनेटर

पहले मुझे अपना नाम बोलने पर भी शर्म आती थी किंतु जतन मे आने के बाद प्रशिक्षण के माध्यम से मैं खुद आज इस स्तर पर हूं कि मैं आज खुद अच्छा बोल सकती हूं व किशोर किशोरियों के साथ, किसानों, SHG, सीपीसी तथा किसी भी समूह के साथ बैठक आयोजित कर सकती हूं और मेरे जो पियर एजुकेटर है वह लड़कियां खुद सेशन ले सकती है| आगे मैं भविष्य में कामना करती हूं कि ऐसी परियोजना आती रहे और लंबे समय तक चले तथा पिछड़े व जरूरतमंद परिवारों को सरकार की सभी योजनाओं तथा उनके लिए जो लाभ मिलना चाहिए वह उन तक पहुंचे तथा लोगों को रोजगार के अच्छे अवसर मिले।

जतन परिवार को एक बार दिल से बहुत-बहुत धन्यवाद।

-कमला कुंवर राजपुत (कार्यकर्त्ता)

अपना जतन केंद्र

अक्टूबर 2010 में गिबिको, जर्मनी के सहयोग से उदयपुर के नीमच माता कच्ची बस्ती (देवाली) क्षेत्र में अपना जतन केंद्र की शुरुआत हुई। यह केंद्र कमजोर और वंचित बच्चों के शैक्षणिक और विकास संबंधी जरूरतों को पूरा करने में सहयोग करती है। स्कूल से वंचित और ड्राप आउट बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने हेतु केंद्र पर अंग्रेजी, हिंदी, गणित, विज्ञान और सामान्य जागरूकता जैसे विभिन्न विषयों पर कक्षाएं लगाई जाती है। साथ ही प्रत्येक बुधवार और शनिवार को कला, शिल्प व खेल से सम्बंधित गतिविधियाँ करवाई जाती है। स्कूल जाने वाले बच्चे भी यहाँ अपरान्ह बाद इन विषयों पर कोचिंग सुविधा का लाभ उठाते है। अपना जतन केंद्र, बच्चों के डे केअर सेंटर के रूप में भी कार्य करता है, यहाँ प्रशिक्षित महिलाकर्मी कामकाजी माताओं के बच्चों की देखभाल करती है ताकि जब वे काम पर जाएँ तो वे अपने बच्चों को केंद्र में छोड़ सकें।

शिक्षण केन्द्रों का संचालन - समुदाय में सर्वे कर अलग अलग 5 जगहों पर बच्चों के लिए शिक्षण केन्द्र खोले गए। इन केन्द्रों को बच्चों के घरों के पास ही बनाया गया ताकि बच्चे आसानी से इन केन्द्रों पर आ सके। बच्चे 5 अलग अलग समूहों में 5 से 10 की संख्या में इन केन्द्रों पर आते थे। केंद्र पर कोरोना मार्गदर्शिका (उचित दूरी, मास्क एवं हाथों को सेनेटाइज करना) की अनुपालना करते हुए बच्चों के शैक्षणिक एवं भावनात्मक सहायता की गयी। बच्चों के लिए इन केन्द्रों पर शिक्षण कोना बनाया गया जहाँ बच्चों के लिए किताबें रखी गयी, जिससे बच्चें अपनी पढाई कर सकें साथ ही मनोरंजक एवं ज्ञान वर्धक पुस्तकें पढ़ सकें।

व्यक्तिगत परामर्श - कोरोना और लॉक डाउन के कारण बच्चे व उनके माता पिता तनाव महसूस कर रहे थे, विशेष रूप से बच्चे, अपना जतन केंद्र के शिक्षकों द्वारा बच्चों एवं माता – पिता का व्यक्तिगत परामर्श सत्र लिया गया ताकि उनका तनाव कम हो सके।

पूरक पोषाहार वितरण – कोरोना से सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बच्चों को पोष्टिक भोजन दिया गया। बच्चों को अलग अलग 5 समूहों में पूरक पोषाहार दिया गया ताकि बच्चों को कोरोना महामारी में पोष्टिक भोजन मिल सके।

अभिभावक बैठकों का आयोजन – अपना जतन केंद्र के शिक्षकों द्वारा बच्चों के अभिभावकों के साथ व्यक्तिगत रूप से बैठकें की गयी। अभिभावकों को कोरोना से बचाव सम्बंधित नारे बताये गए जिससे उन नारों के द्वारा वह कोरोना से बचाव के तरीकों को हमेशा याद रख सकें। इन नारों को इतना सहज बनाया गया ताकि अभिभावकों आसानी से याद हो सके। इन बैठकों में अभिभावकों को प्रेरित किया गया कि बच्चों को केन्द्रों पर भेजें ताकि बच्चों का शैक्षणिक विकास हो सके साथ ही साथ उन्हें पोष्टिक भोजन भी मिल सके।

अपना कोना – कोरोना लॉक डाउन के बाद जब अपना जतन केंद्र दुबारा खुला तो केंद्र पर अपना कोना बनाया गया जहाँ बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक किताबें, खिलौने, वाद्य यंत्र उनकी पहुँच पर रखे गए ताकि बच्चे आसानी से इनका उपयोग कर सके और स्वयं की क्षमतावर्धन कर सके व नयी चीजें सीख सकें।

अपना जतन केंद्र

अपना जतन केंद्र लाइब्रेरी – इस लाइब्रेरी में बच्चों के स्तर के पाठ्यक्रम की किताबें , कहानी, गीतों, शब्दकोष की किताबें आदि शामिल किये गए । बच्चे इन किताबों को अपनी पसंद व जरुरत के अनुसार लाइब्रेरी से एक निश्चित समय अवधि के लिए निर्गत करवाते है और समय पूर्ण होने पर वापस जमा करवाते है जिससे अन्य बच्चे भी उन किताबों का लाभ ले सकें ।

इस वर्ष केंद्र में कुल 90 बच्चों का नामांकन रहा । केंद्र में स्कूल ना जाने वाले और ड्राप आउट बच्चों हेतु दोपहर के भोजन तथा वैकल्पिक पोषण युक्त खाद्य पदार्थों का निरंतर वितरण किया गया ताकि शिक्षा के साथ साथ बच्चों को पूर्ण पोषण मिल सके ।

कुसुम का सपना... शिक्षक बनना

यह कहानी कुसुम की है, जो नीमच खेड़ा के एक कम आय श्रोत वाले परिवार की है । इनके पिता भेरुलाल जी भवन निर्माण में मजदूर का काम करते है और माँ हीरा बाई दुसरे घरों में दैनिक साफ सफाई का कम करतीं है । कुसुम की दो छोटी बहनें सीमा और राधिका है । कुसुम के माता पिता जब काम पर जातें तो कुसुम को घर पर रह कर अपनी छोटी बहनों का देखभाल करना पड़ता था, जिसके कारण उसकी पढाई बाधित होती गयी और अंत में वह स्कूल से ड्राप आउट हो गयी, कुसुम आगे पढना चाहती थी । अपना जतन केंद्र के साथियों को जब इस बात का पता चला तो वे कुसुम के माता पिता से जा कर मिले और उन्हें समझाया की कुसुम के लिए पढाई जरुरी है, हर बच्चे के लिए शिक्षा का विशेष महत्व है । साथ ही उन्हें यह भी बताया कि जब कुसुम स्कूल जाएगी तब उनके छोटी बच्चियों की देखभाल अपना जतन केंद्र पर होगी । आप दोनों बच्चियों का नामांकन अपना जतन केंद्र पर करवा दें ।

कुसुम के माता पिता इस बात की महत्ता समझते हुए उन्होंने अपनी दोनों छोटी बच्चियों को अपना जतन केंद्र में नामांकित करवाया और कुसुम रोज स्कूल जाने लगी ।

आज कुसुम 14 वर्ष की है और 9 वी कक्षा में पढ़ रही है , उसकी छोटी बहनें भी चौथी और छठी कक्षा में पढ़ रहीं है । कुसुम आगे की पढाई निरंतर करते हुए शिक्षक बनना चाहती है ताकि वह भी अपने जैसे बच्चों को पढ़ा सके और उनके भविष्य निर्माण में सहयोग कर सके । अपना जतन केंद्र के एक छोटे से प्रयास से कुसुम पढाई को निरंतर कर पाई साथ ही उनकी बहनों को भी शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिला ।

परियोजना दिगंत

क्षमतालय फाउंडेशन, जतन संस्थान और एजुकेट फॉर लाइफ के सयुक्त तत्वाधान से भारत में राजस्थान के एक प्रशासनिक क्षेत्र कोटरा में दो संघर्षरत ग्रामीण माध्यमिक विद्यालयों (झेड और मांडवा) का समर्थन करने के लिए साझेदारी में दिगंत परियोजना कार्यरत हैं, ताकि अन्य स्कूलों में सर्वोत्तम अभ्यास को प्रेरित करने के लिए उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में माध्यमिक विद्यालय बन सकें। इस परियोजना के माध्यम से स्कूलों के छात्रों को उनकी माध्यमिक शिक्षा पूरी करने और सामाजिक और आर्थिक रूप से सक्रिय वयस्कों के रूप में खुद को देख पाने की क्षमता विकसित कर पाना एवं भविष्य के योग्य अवसर के सक्षम बनाना | इस वर्ष केंद्र में कुल 90 बच्चों का नामांकन रहा। केंद्र में स्कूल ना जाने वाले और ड्राप आउट बच्चों हेतु दोपहर के भोजन तथा वैकल्पिक पोषण युक्त खाद्य पदार्थों का निरंतर वितरण किया गया ताकि शिक्षा के साथ साथ बच्चों को पूर्ण पोषण मिल सके।

हमें खुशी है कि 2020/21 में समर्थित सभी छात्रों में से 98% नए शैक्षणिक वर्ष में अपनी माध्यमिक शिक्षा जारी रख रहे हैं। यह एक शानदार परिणाम है क्योंकि युवा लोगों और विशेष रूप से लड़कियों में महावारी के कारण स्कूल छोड़ने का खतरा बढ़ जाता है। यह टीम द्वारा प्रदान किए गए रिश्तों और समर्थन के लिए एक सम्मान है कि ये बच्चे अपनी माध्यमिक पढ़ाई पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस वर्ष 69 लड़कियों सहित 253 विद्यार्थी कार्यक्रम से लाभान्वित हुए। महामारी के कारण अधिकांश शैक्षणिक वर्ष के लिए माध्यमिक विद्यालय बंद थे। स्मार्ट फोन, वीडियो कॉल और जूम एप्पलीकेशन तक पहुंच रखने वाले 40 बच्चों के लिए घर का दौरा, सामुदायिक कक्षाएं, फोन कॉल, मिश्रित रणनीति का इस्तेमाल किया।

झेड में कंप्यूटर लैब की स्थापना :- Education Initiative के साथ साझेदारी में कंप्यूटर लैब की स्थापना शिक्षा पहल के साथ साझेदारी शिक्षा पहल से सिद्दीक ने फरवरी माह में झेड एवं मांडवा स्कूल का दौरा किया | माइंडस्पार्क को लागू करने में स्कूल और दिगंथ टीम के साथ बातचीत की। साझेदारी माइंडस्पार्क प्रदान करने के लिए है, यह एक व्यक्तिगत शिक्षण सॉफ्टवेयर है जो बच्चों को अनुमति देता है गणित, विज्ञान और हिंदी में अपनी गति से सीखने को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए। हर दिन, ईस माइंडस्पार्क 20 लाख से अधिक प्रश्न देता है, और एकत्र किए गए डेटा का उपयोग बच्चे को बढ़ाने के लिए किया जाता है

253

13-17 आयु वर्ग के छात्र अतिरिक्त शिक्षण स्टाफ के संपर्क से सीधे लाभान्वित हुए

< 20%

स्कूल बंद होने के दौरान छात्रों के पास दूरस्थ शिक्षा के लिए स्मार्ट फोन तक पहुंच थी।

40

छात्रों ने पहली बार ज़ूम का उपयोग दूरस्थ रूप से अपनी पढ़ाई को जारी रखने के लिए किया।

160

केवल ऑडियो के माध्यम से सीखने में लगे छात्र

98%

अतिरिक्त शिक्षकों द्वारा समर्थित सभी छात्रों के नए शैक्षणिक वर्ष में पुन: नामांकन।

किशोर-किशोरियों और युवाओं के साथ जतन

20839+

किशोर - किशोरियों को मिला प्रशिक्षण

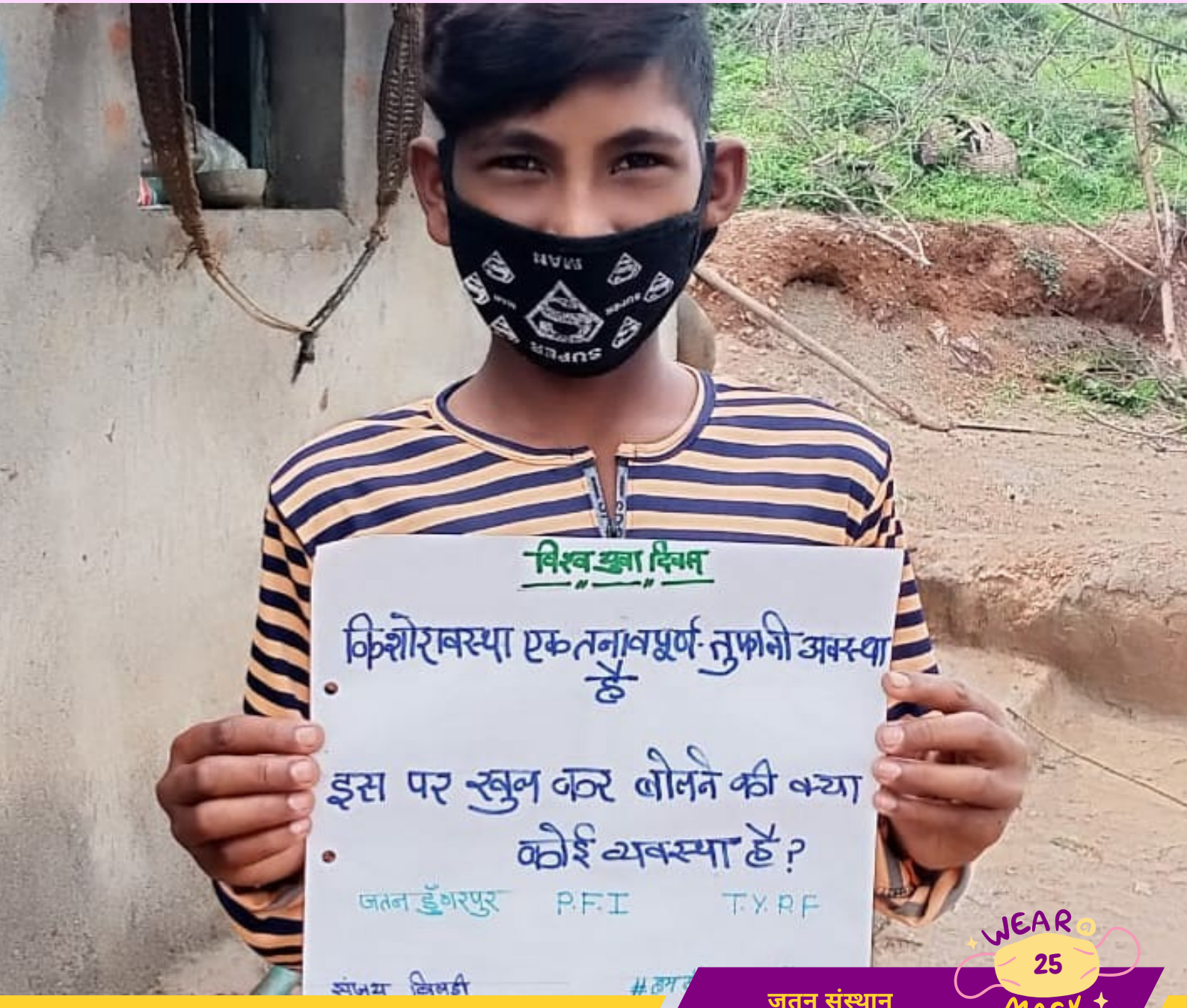

प्रज्जवला प्रोजेक्ट

NSE Foundation

बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने, अनामांकित एवं ड्रॉपआउट बालिकाओं को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने एवं उनके समग्र विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजस्थान में राज्य सरकार व नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एन. एस. ई.) के साझेदारी में प्रज्जवला प्रोजेक्ट 200 कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) में बालिकाओं के साथ संचालित हो रहा है | इस कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु “जतन संस्थान” राजस्थान के पांच जिलों में जैसे उदयपुर, डूंगरपुर, भीलवाड़ा, सिरोही और राजसमन्द के 35 कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) में कार्यरत है।

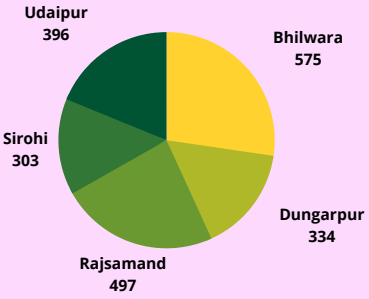

2105 बालिका - किशोरी

35 विद्यालय

70 फेलो शिक्षक

ऑफलाइन एवं ऑनलाइन कक्षा - लॉक डाउन के कारण मार्च महीने में सभी केजीबीवी बंद हो गए। 12 जून को केजीबीवी में पढ़ रहीं बालिकाओं की पढाई को नियमित रखने के लिए ऑनलाइन बैठक हुई, जिसमे केजीबीवी की बालिकाओं की पढाई को सुचारू रूप से चलाने के लिए उनके ऑनलाइन और ऑफ़लाइन क्लास करवाने की रुपरेखा तैयार की गयी। प्रत्येक केजीबीवी में नियुक्त दो शिक्षा सहयोग फैलो को विषय पर ऑनलाइन गूगल मीट के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। अध्यनरत बालिकाओं के शिक्षा के स्तर का आधाररेखा आंकलन किया गया। शिक्षण स्तर के आधार पर कमज़ोर बालिकाओं पर विशेष ध्यान देते हुए सभी बालिकाओं के शिक्षा स्तर को बढाने का कार्य किया गया। कुल 1455 बालिकाएं इन ऑफलाइन क्लास में जुड़ी|ऑनलाइन क्लास में कुल 510 बालिकाएं शामिल हुई। कुल 139 बालिकाएं ऑनलाइन और ऑफ लाइन क्लास दोनों में शामिल हुई।

बैठकें – परियोजना द्वारा शिक्षा सहयोग फैलो के साथ ऑनलाइन बैठकों के माध्यम से बालिकाओं के बेहतर शिक्षा सुनिश्चित करने हेतु चर्चा मे 1973 लोग शामिल हुए जिसमे जिला अधिकारी, शिक्षक, बालिकाएं एवं अभिभावक थे।

केजीबीवी एवं लर्निंग सेंटर विजिट - बोध शिक्षा समिति और जतन संस्थान टीम द्वारा केजीबीवी और लर्निंग सेंटर विजिट कर शिक्षा सहयोग फैलो के कार्यों का अवलोकन किया साथ ही उनके कार्यों में आने वाली चुनौतियों का निवारण किया गया | एकेडेमिक सपोर्ट फेलो, आंगनवाडी कार्यकर्ता ,संस्था प्रधान ,वार्ड पंच ,संरपच, आशा सहयोगिनी और जोनल कोडिनेटर के सहयोग से कुल 6950 बालिकाओं के परिवार से संपर्क किया गया।

प्रज्जवला प्रोजेक्ट

गांव का नाम सुनते ही मन में एक अलग ही छवि बनती है। यह कहानी है इस गांव में रहने वाली कोमल की। कोमल का बचपन अपनी नानी के साथ बीता। क्योंकि उसके माता पिता व्यवसाय के लिए दूसरे शहर में रहते हैं। घर के काम,पढ़ाई, नानी व छोटे भाई का ध्यान रखना। इसी के साथ घर में ही छोटी सी दुकान पर बैठना उसका जीवन था। एक बार जब वह दुकान पर बैठी थी तब वहां केजीबीवी से उषा महोदया आई। वह जतन संस्थान के साथ जुड़ी हुई थी। उन्होंने कोमल से बातचीत की। जाते समय पूछा कि क्या वह केजीबीवी में पढ़ाना चाहती है। कभी भी गांव से बाहर जाना नहीं हुआ था उसका। इसलिए हिचक कर सिर्फ घर पर पूछ कर जवाब देने को कहा। हिम्मत करके जब अनुमति मांगी तो बस इतना कहा गया कि ध्यान रखना। कभी ज्यादा नहीं बोलने वाली कोमल अब गांव की लड़कियों को पढ़ाने लगी है। कुछ दिनों बाद उसे पता चला कि प्रशिक्षण के लिए जयपुर जाना है। उसकी हिचक फिर से हिलोरे मारने लगी। हिम्मत करके उसने घर पर अनुमति मांगी तो सहज रूप में भविष्य निर्माण के लिए हामी दे दी गई। यह पहली बार था जब कोमल अपने गांव से बाहर जाने वाली थी। आखिर वो पल आ ही गया जब उसने जयपुर में कदम रखा। वहां अन्य जिलों से आई हुई लड़कियां भी थी। उनके साथ परिचय और बात हुई तो कोमल की हिचक दूर होने लगी।

प्रशिक्षण के दौरान उषा महोदया और अन्य अधिकारियों के सौम्य व्यवहार से वह सहज हुई। जल्दी ही वह सबसे घुलमिल गई। अब वह आसानी से तर्क के साथ सबसे बात करती है। कोमल को अब तीन वर्ष हो गए हैं केजीबीवी और जतन संस्थान के साथ काम करते हुए। जतन के साथ जुड़कर कोमल ने बहुत कुछ नया सीखा। हर मासिक बैठक में वह सम्मिलित होती थी। महिला हिंसा, शिक्षा, चाइल्ड लाइन और माहवारी जैसे विषयों पर आयोजित समूह चर्चा में भी वह भाग लेती रही। जतन के साथ ही केजीबीवी में काम करते हुए उसे विद्यालयों में गठित होने वाले मीना मंच की जानकारी मिली। उषा जी, स्थानीय शिक्षकों के सहयोग से उसने पहली बार विद्यालय में चुनाव करवाए। इसी से जुड़ी हुई गरिमा पेटी का उपयोग भी शुरू किया गया। कोमल की पहल की वजह से अब हर वर्ष विद्यालय में चुनाव होने लगे हैं। जतन के साथ काम करते हुए कोमल ने अपने क्षेत्र में नवाचार किए। यह एक मुख्य समस्या है कि बच्चों को उचित शिक्षा नहीं मिल पाती है। अधिकांश लड़कियों को घर से नहीं निकलने दिया जाता है। लेकिन प्रज्ज्वला योजना के तहत कोमल ने ऐसी लड़कियों को चिन्हित किया। उनके अभिभावकों से बात कर उनकी सोच बदली। इसमें उसे काफी हद तक सफलता मिली। कोमल को यह एहसास हुआ कि आज के दौर में शिक्षा बहुत जरूरी है। उसने भी कई लड़कियों के जीवन में उषा बनकर उन्हें शिक्षा से जोड़ा। अपनी छोटी बहन को भी कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए दाखिल करवाया। इसके साथ केजीबीवी में एक पुस्तकालय की स्थापना भी की।

आज कोमल बहुत सक्षम है। यह बदलाव उसमें जतन संस्थान से जुड़कर आया। कोमल समाज में अब माहवारी जैसे संवेदनशील मुद्दे पर काम कर रही है। यह सच है कि एक मौका हमारा पूरा जीवन बदल देता है। बस आवश्यकता होती है उषा जैसे महिलाओं की।

GEMS FOR BOYS, खेरवाडा

जेम्स परियोजना, चाइल्ड इन्वेस्टमेंट फण्ड फाउंडेशन (CIFF) के सहयोग से इंटरनेशनल सेंटर फॉर रिसर्च ऑन वूमेन (ICRW), शिक्षा विभाग (RSCERT), समग्र शिक्षा अभियान (SMSA) की साझेदारी में उदयपुर और सिरोही जिलों के 04 ब्लॉक्स के 400 स्कूलों में कार्यक्रम को लागू किया जा रहा है। जेम्स परियोजना का प्रमुख लक्ष्य 6 से 8 कक्षा में पढने वाले लड़कों को कक्षा आधारित गतिविधियों के माध्यम से पुरुषत्व के हानिकारक प्रभावों को समझने, समान लिंग मानदंडों को चुनौती देने और लिंग के दृष्टिकोण और व्यवहार में सुधार करने में सक्षम बनाना है। कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूलों में रिक्त स्थान बनाना है जहां लड़के उन मुद्दों और दबावों के बारे में बात कर सकें जिनका उन्हें किशोरावस्था के दौरान सामना करना पड़ता है । साथ ही "आदर्श और वास्तविक आदमी" होने की लैंगिक धारणा से जुड़े हानिकारक दृष्टिकोणों के प्रभावों को समझाने के लिए शिक्षकों की क्षमता का निर्माण करना और लैंगिक समानतापूर्ण व्यवहार सीखाना है ।

जेम्स परियोजना के अंतर्गत जतन संस्थान उदयपुर जिले के खेरवाड़ा ब्लॉक के 94 सरकारी स्कूलों के संस्था प्रमुख, 188 प्रशिक्षित शिक्षकों और लगभग 5000 लड़कों के साथ कार्यरत है, ताकि लैंगिक समानता आधारित मुद्दों पर युवाओं को जागरूक कर सके । लड़कों के साथ लड़कियों और महिलाओं के प्रति संवेदनशील व्यवहार करना एवं इनके साथ सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन के लिए आवश्यक सहयोग करने का प्रयास किया जा रहा है।

188 शिक्षक और 10 फिल्ड फैसिलिटेटर के साथ केस स्टडीज/वीडियोज के माध्यम से **ऑनलाइन प्रशिक्षण**

ब्लॉक स्तर पर **राष्ट्रीय जन चेतना अभियान** (Covid से बचाव के लिए जागरूकता) रैली आयोजन में पुलिस प्रसाशन, पंचायती राज जनप्रतिनिधि एवं जतन टीम मिलकर 175 लोगों की सहभागिता

94 एसडीएमसी/एसएमसी द्वारा स्कूलों के साथ कोरोना से बचाव के लिए **शपथ ग्रहण** कार्यक्रमों का आयोजन

07 मुख्य सन्दर्भ शिक्षकों का 04 दिवसीय RSCERT द्वारा आयोजित **GEMS मैन्युअल द्वित्तीय वर्ष के प्रशिक्षण** में भागीदारी

> इस ट्रैनिंग से जुडने का पहली बार अवसर प्राप्त हुआ, जिसमें मुझे बहुत कुछ समाज के प्रति लोगों के दृष्टीकोण के बारें में पता चला ।
>
> **मनीलाल मीणा**
> **GUPS (चिकलवास)**

> जो ट्रैनिंग ली गई उसमें रोल प्ले के माध्यम से जो गतिविधि रही वह बहुत ही अच्छी लगी ,घर की जिम्मेदारी, किसी प्रकार के निर्णय लेने की प्रक्रिया यह सब सीखने को मिला | हमने जो भी हमनें सीखा यह बातें हम बच्चों तक, विद्यालय के स्टाफ तक तथा अपने परिवार तक पहुँचाने का प्रयास करेंगे |
>
> **जसोदा सालवी**
> **GSSS (भाणदा)**

> Excellent work being done by the teacher, the principal and the team GEMS, Keep up the good work.
> (19 March 2021)
>
> **Anindya Gupta**
> **Child Investment Fund Foundation, Delhi**

पंचायत में किशोरियों की भागीदारी

भीलवाडा जिले में सहाडा ब्लॉक में महिला जनप्रतिनिधियो के नेतृत्व से किशोरियों को सशक्त और संगठित करने का प्रयास द हंगर प्रोजक्ट और AJWS व जतन के सहयोग से 2015 से 10 पंचायतो मे पंचायतीराज व्यवस्था के अंतर्गत किशोरियों को सशक्त करने का काम किया जा रहा है |किशोरियों के नेतृत्व क्षमतावर्धन और जीवन कौशल के लिये किशोरी समुह व महिला पंच सरपंच संगठन का गठन किया गया है |

कार्यक्रम का उद्देश्य:- किशोरियों का नेतृत्व क्षमतावर्धन करना,महिला जनप्रतिनिधियों के माध्यम से युवाओ के मुद्दे को पंचायतीराज व्यवस्था से जोडना,किशोरियों को जीवन कौशल से जोडते हुए बाल विवाह के दुष्परिणाम से अवगत करके जागरुक करना, किशोरियों को संगठित कर मंच प्रदान करना व युवाओ के मुद्दो पर पैरवी करना|

पंचायत चुनाव 2015 में नवनिर्वाचित महिला जनप्रतिनिधीयों के नेतृत्व मे किशोरियों के बाल विवाह व जल्द विवाह पर ,युवाओं के मुद्दों पर समझ विकसित के लिये मुख्य कार्य इस तरह रहे ...

पत्रकारिता विषय पर क्षमतावर्धन:- परियोजना के तहत किशोरियों की ब्लॉक स्तरीय ऑनलाइन दो दिवसीय न्यूज़पेपर वर्कशॉप आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न ग्राम से ब्लॉक स्तर पर जुडी व उन्होंने अखबार कैसे बता है रिपोर्टर कैसे न्यूज़ कलेक्ट करता है |उसे कैसे लिखता है, फेक न्यूज का पता कैसे लगायें, किशोरियों ने मिलकर अपना अखबार प्रकाशित किया व उसका उनके द्वारा उसका नाम अनमोल खबर रखा गया |

किशोरी नेतृत्व कार्यशाला का आयोजन: विभिन्न मुद्दों को समझने के लिए जो किशोरियाँ अपने गाँव में सामना कर रही हैं इस पर नेतृत्व के गुणों का विकास करना और किशोरियों को चुनौतियों के समाधान के लिए प्रेरित करना, COVID-19 के दौरान किशोरियाँ द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों पर एक समझ बनाने हेतु हुनरघर पर किशोरी नेतृत्व कार्यशाला का आयोजन किया गया |

97 किशोरियों को न्यूज़पेपर वर्कशॉप, गार्गी मंच मोडुयल, कोरोना योद्धा गर्ल तथा कोरोना माहमारी मे किशोरियों को माहवारी प्रबंधन जैसे विषयों पर कार्यशाला आयोजित की गई |

37 किशोरियों को मिला अनुभव गार्गी मंच मोडुयल की फील्ड टेस्टिंग करने में...

42 किशोरियां जुडी कोरोना योद्धा गर्ल व्हाट्स ग्रुप में कोरोना माहमारी मे किशोरियों को माहवारी प्रबंधन को लेकर सजगता...

लक्ष्मी का टॉयलेट अभियान

आमली ग्राम पंचायत रहने वाली 14 वर्षीय किशोरी लक्ष्मी माली के घर में शौचालय नहीं होने से बड़ी परेशान रहती थी | उसे व उसके परिवार को प्रतिदिन खुले में शौच के लिए जाना पड़ता था | सबसे अधिक परेशानी तो बारिश, माहवारी के दिनों व बीमारी के दौरान आती थी | लक्ष्मी ने इसके लिए घर पर चर्चा भी की थी पर माता पिता पैसे के अभाव में सहमत नहीं हुए | समूह की मीटिंग से मिली लक्ष्मी को जानकारी:- किशोरी समूहों में नियमित रूप से किशोरियों के विभिन्न मुद्दों व सरकारी योजनाओं की जानकारी पर चर्चा की जाती थी | एक दिन किशोरी समूह की बैठक में स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण पर 12 हजार की राशि दी जाती है जब यह जानकारी लक्ष्मी को मिली तो उसने बैठक के बाद घर पर पुन: शौचालय बनाने की मांग की व सरकार द्वारा दी जा रही प्रोत्साहन राशि के बारे में जानकारी दी | इस बार माता पिता ने उसे घर में कम जगह होने का हवाला देकर बात को टाल दिया | लक्ष्मी को अपने मीटिंग के दौरान के सत्र सम्प्रेषण कौशल से याद आया कि आप कैसे अपना कार्य करवा सकते है तब लक्ष्मी ने अपनी सहलियों को ले जाकर बात की माँ को समझाया कि लड़कियां रात्रि को बाहर जाती है तो कौन -कौन से खतरे उनको हो सकते है| आप फार्म भरोगे तो 12 हजार भी मिलेंगे आप चाहो तो लाली बाई उपसरपंच साहब से कहकर फार्म कि प्रक्रिया करवा कर के टॉयलेट बनवाया |अब लक्ष्मी बहुत खुश है,उसकी मम्मी भी बहुत खुश है क्योकि बारिश के मौसम में महावारी के समय काफी परेशानी होती थी |

सहाडा में दिखा दस का दम ...

दिनांक 20.9.17

सेवामे,
श्रीमान सरपंच साहब महोदय,
ग्राम पंचायत नेगड़िया खेड़ा

विषय:- निम्न समस्या का समाधान करवानेबाबत,

महोदयजी,
उपरोक्त विषय मे श्रीमान से निवेदन है की हमारे स्कूल में विषयवार अध्यापक नहीं होने से हमारी शिक्षा प्रभावित हो रही है। और शौचालय मे पानीव्यवस्था नहीं होना व लड़को कि शौचालय के साथ ही होना व सेनेट्री नेपकीन बदलने के लिए कॉमन रूम नहीं होना। तो काफी समस्याओ का सामना करना पड़ रहा है। अत: आपसे अनुरोध है की निम्न समस्या का समाधान करवाने का कष्ट करावे।
नोट:- शौचालय में पानी, व लड़को के शौचालय से दूर हो।
:- लड़कीयों के लिए एक कॉमन रूम हो।
:- 9वी क्लास में छत से पानी टपकता है। तो रिपयरिंग करवाना।

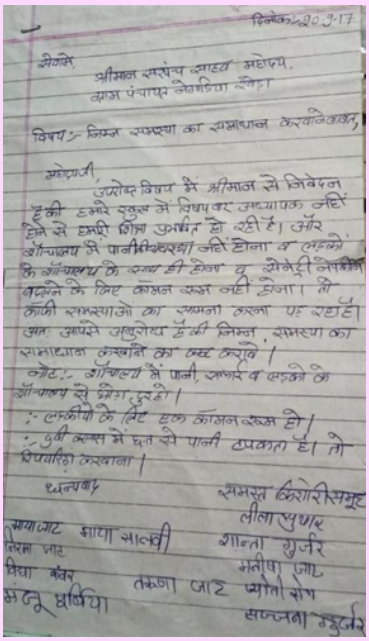

धन्यवाद

समस्त किशोरीसमूह
लीला सुथार
माया जाट माया मालवी शान्ता गुर्जर
निरमा जाट
मनीषा जाट
विद्या कंवर तरुणा जाट ज्योती सेन
मंजू खटिया
सज्जना गुर्जर

सहाड़ा ब्लॉक की जिन 10 ग्राम पंचायतो में किशोरियों के साथ जतन संस्थान द्वारा कार्य शुरू किया गया था वहां पर विद्यालय में सबसे बुरी स्थिति में थे वो शौचालय थे | लड़का लड़की के शौचालय अलग से नहीं थे| जो शौचालय थे उनके दीवारों की उंचाई काफी कम थी जिससे किशोरियां मन ही मन में हीन भावना महसूस करती थी| किशोरियों को शौचालय का उपयोग करते समय दिवारे छोटी होने से एक किशोरी को बाहर खड़ा रखना पड़ता था| नियमित साफ़ सफाई और शौचालय में पानी व डस्टबिन की बाते तो दूर दूर तक नजर नहीं आती थी| जिससे किशोरियों को महावारी के दौरान काफी समस्या आती थी| जिसके चलते अधिकतर किशोरियां अपनी माहवारी के दौरान घर पर ही रहना पसंद करती जिससे उनकी पढ़ाई बाधित हो जाती थी, पढ़ाई में बिछड़ जाती थी| कभी कभी तो यह माहवारी शौचालय के अभाव में किशोरियों की पढाई छुडवाकर कर ही दम लेती थी| विधालय के समय भी दो किशोरियों के साथ मे शोचालय जाने से पढ़ाई के विषय मे पीछे रह जाती व लड़को का शोचालय पास होने से लड़के –लड़कियो का मजाक बनाते जिसके डर से किशोरिया शौचालय मे जा भी नही पाती, शौचालय मे सफाई नही होने से किशोरियों को संक्रमण होने का खतरा सबसे ज्यादा था। [बाद मे...] ब्लॉक स्तर की बैठक मे सभी किशोरियों ने इस मुद्धे की पेरवी पर रणनीति तैयार की, ब्लॉक स्तर के अधिकारी व जिला अधिकारियों को महिला जनप्रतिनिधियों के माध्यम से मुद्धे से अवगत करवाया, दो किशोरियों द्वारा पंच, सरपंच संगठन को भी किशोरियों के मुद्धों का ज्ञापन दिया गया, अलग-अलग जगह पेरवी कर महिला जनप्रतिनिधियों के साथ जिससे 10 पंचायतों मे किशोरियों के लिए अलग-अलग शौचालय जिसमें पानी व कचरा-पात्र की व्यवस्था है|

FAYA - फेमिनिस्ट एंड यूथ लेड एक्शन

राजस्थान में 10 से 19 साल उम्र के किशोरों की आबादी 15 करोड़ है। राज्य की जनसंख्या में 23 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले ये किशोर, प्रदेश की सामाजिक और आर्थिक तस्वीर बदलने का माद्दा रखते है। ऐसे मे विशेषज्ञों का मानना है कि यह तभी संभव है जब इस किशोर जनसंख्या के स्वास्थ्य में सुधार के लिए पर्याप्त निवेश किया जाए।

इस वर्ष पॉपुलेशन फाउडेशन ऑफ इंडिया और द वाई पी फाउडेशन के सहयोग से जतन संस्थान ने फेमिनिस्ट एंड यूथ लेड एक्शन (फाया) के नाम से किशोर किशोरियों हेतु परियोजना का शुभारम्भ किया। फाया परियोजना किशोर-किशोरियों को उनके यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य पर जागरूक करते हुए उनके अधिकारों की पैरवी करने का काम कर रही है और राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत उजाला क्लिनिक तक उनकी पहुँच बनाने को लेकर संकल्पित है। डूगरपुर में जतन की इस टीम ने 50 गावों में 3000 किशोर-किशोरियो तक अपनी पहुँच बनाई है और आने वाले दो वर्षों में परोक्ष रूप से लगभग 10.000 युवा साथियों तक पहुँचने का लक्ष्य रखती है।

City First — ETC 10 — JAIPUR | WEDNESDAY, FEBRUARY 10, 2021

HEALTH, A TRUE WEALTH

Amid the Pandemic, FAYA coordinators emerge as champions in addressing menstrual-related issues of adolescent girls and women in panchayat!

Menstrual Hygiene

PARUL SHARMA
Program Manager, Population Foundation of India

While the world has been tackling the COVID-19 pandemic, in Rajasthan, FAYA Coordinators are working to prioritize the health of women and adolescent girls in rural communities. FAYA project led by NGO Population Foundation of India is implemented in 4 districts of Rajasthan – Dungarpur, Karauli, Bundi & Tonk with support of The Young People Foundation (TYPF) and field partners. The program aims at enhancing knowledge of adolescents about their sexual & reproductive health (SRH) and building a conducive environment so that they can access SRH services and information.

Despite the restrictions and difficulties faced by people due to lockdown, these young coordinators ensured and motivated other youth to ensure that adolescent girls have access to health information and services. One such story is from Dabella village in Dungarpur. Rakesh Parmar, a resident of this village in Dovda cluster, shared, "It was suggested to us by Harish (a field coordinator from Jatan Sansthan - implementation partner of Population Foundation of India), that even during the lockdown, it is very important to take care of the health of mothers and sisters in our community." Harish is a youth from Dovda gram panchayat. After completing graduation, he served as ward panch (an elected PRI member) and is now actively engaged in addressing adolescent health issues within the community.

Rakesh further explains, "My mother is currently a Ward Panch and keeps me motivated to work towards improving our community. After the lockdown, on the advice of Harish, I formed a team of village youth and convinced them that they should ensure the availability of sanitary pads. On a day to day basis, I keep sharing the health issues faced by village adolescents and women with Harish , he gets them resolved through the ANM."

Anju, FAYA Project Coordinator, from Jatan Sanstha, Dungarpur says "To address the problem of unavailability of sanitary napkins, Harish is also educating adolescent girls on making and hygienically using cloth pads. Harish has learned about cloth pads from an online webinar organized by The Young People Foundation under FAYA program. Rakesh and his team with the support of Harish have been ensuring that the community members follow social distancing norms and stay at home during the lockdown. When a medical team visited their village for the screening for COVID-19, he and his team members ensured full cooperation by the community members".

"Through WhatsApp, I keep our school staff, Harish and ANM updated daily about the health-related activities and the needs in our village. After all, only if my village is healthy, I will be healthy," said Rakesh.

Rakesh Parmar

Team of Jatan Sansthan

Harish Parmar

भारत में आज भी यौन शिक्षा स्कूल पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं है। किशोर किशोरियां प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य के बारे में बहुत जरूरी बातें नहीं जानते हैं जो एक चिंताजनक बात है। इस विषय पर सार्वजनिक चर्चा अक्सर धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों के बहाने के कारण रोक दी जाती है। इन्ही कारणों से राजस्थान सहित कई राज्यों में यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य विषय पर शिक्षा प्रदान नहीं की जाती है और ना ही इस स्कूल पाठ्यक्रम में जोड़ा जाता है।

फाया कार्यक्रम का लक्ष्य प्रभावी यौन शिक्षा के माध्यम से एक जागरूक युवा पीढ़ी का निर्माण करना है। इस कार्यक्रम के तहत 15 से 19 वर्ष की आयु वर्ग को यौन और प्रजनन स्वास्थ्य विषयों के बारे में बताया जाता है जिसमें प्रजनन, सुरक्षा के तरीके, एचआईवी के सापेक्ष जोखिम और सेवाओं का उपयोग कहां करना शामिल है। साथ ही युवाओं को लिंग और शक्ति के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखने के लिए एक सक्षम वातावरण बनाया जाता है।

इस वर्ष की प्रमुख उपलब्धियां

- लगभग **8000** किशोरों को प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी गयी।
- क्लस्टर समन्वयकों द्वारा विभिन्न समस्याओं के लिए लगभग **60** किशोरों को उजाला क्लिनिक (AFHC) में भेजा गया। इन किशोरों को क्लीनिक में उनकी जरूरत के आधार पर परामर्श सेवाएं और आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई गईं।
- जिलाधिकारी से साथ बैठक कर NFHS 4 के डेटा के माध्यम से डूंगरपुर में किशोर यौन और प्रजनन स्वास्थ्य की स्थिति के बारे बताया और फाया परियोजना के उद्देश्यों से भी अवगत कराया गया।
- SDM के साथ बैठक कर फाया परियोजना की आवश्यकता और उद्देश्यों को उनके सामने प्रस्तुत किया गया।

महामारी के दौरान एक साधारण महिला की असाधारण पहल, किशोरियों को घर पर कपड़े से पैड बनाना सीखा रहीं है डूंगरपुर की गंगा

डूंगरपुर। राजस्थान के डूंगरपुर जिले के गोगरा फला गाँव की 28 साल की गंगा, किशोर स्वास्थ्य और उनके अधिकारों को आवाज देने को लेकर दृढ़ संकल्पित है। उनमें रोल मॉडल और लीडर बनने की सभी खूबियां मौजूद हैं।गंगा ने कम उम्र में अनेक चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक किया और कम उम्र में शादी होने के बावजूद अपनी पढ़ाई जारी रखी। गंगा वर्तमान में डूंगरपुर जिले में फाया (फेमिनिस्ट एडोलसेंट्स एंड यूथ-लेड एक्शन) परियोजना के तहत जतन संस्थान के साथ एक क्लस्टर कॉर्डिनेटर के रूप में काम कर रही है। फाया कार्यक्रम, पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया, जो कि एक राष्ट्रीय स्तर की एनजीओ है, के द्वारा द यंग पीपुल्स फाउंडेशन के साथ मिलकर चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य व्यापक किशोर स्वास्थ्य पाठ्यक्रम के माध्यम से किशोरों को उनके यौन और प्रजनन स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्रदान करना है। पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया, अपनी सहयोगी संस्था जतन संस्थान के साथ इस पाठ्यक्रम के माध्यम से डूंगरपुर में लगभग 2500 से अधिक किशोरो - किशोरियों तक सीधे पहुंच रहा है।किशोरों को उनके स्वास्थ्य अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने की इस प्रक्रिया में, गंगा जैसे कई समन्वयक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। एक भरोसेमंद और रोचकसूत्रधार के रूप में गंगा किशोर समूहों को नियमित रूप से शिक्षित करती है और उनके साथ मित्रतापूर्ण व्यव्हार द्वारा उनके यौन और प्रजनन स्वास्थ्य से संबंधित जिज्ञासाओं को संबोधित करती है। हालाँकि, यहां तक पहुंचना उनके लिए आसान नहीं था क्योंकि शुरू में गंगा खुद संकोची थीं। किशोरों के स्वास्थ्य पर केंद्रित फाया प्रशिक्षण में नियमित रूप से भाग लेने और फिर अपने समुदाय में किशोर समूहों में सत्र लेने के बाद वह एक आत्मविश्वासी समन्वयक के रूप में उभरी हैं। वह जतन संस्थान के मार्गदर्शन में किशोर - किशोरियों के स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं का सक्रिय रूप से समाधान करती है।। कोविड-19 के दौरान लॉकडाउन की वजह से जब पूरा देश ठहर सा गया था, उस वक्त किशोरियों और महिलाओं को सैनिटरी नैपकिन की अनुपलब्धता के कारण मासिक धर्म संबंधी साफ-सफाई को सुनिश्चित करना काफी चुनौतीपूर्ण हो गया था। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी खराब थी क्योंकि लॉकडाउन की वजह से स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से सैनिटरी नैपकिन्स का वितरण बंद हो गया था। सेनेटरी नैपकिन्स खरीदने के लिए मेडिकल स्टोर्स तक मुश्किल पहुंच ने सेनेटरी नैपकिन्स पाना ग्रामीण महिलाओं के लिए लगभग असंभव बना दिया। इन सभी परेशानियों के मद्देनजर, गंगा एक सरल और स्थायी समाधान के साथ सामने आईं। कार्यक्रम से प्राप्त घर में सेनेटरी पैड बनाने की विधि को जानने के बाद गंगा ने किशोरियों को कपड़े से हाइजेनिक सेनेटरी पैड्स बनाने का प्रशिक्षण देना शुरू किया। कोविड-19 के दौरान सामाजिक दूरी के मानदंडों का पालन करते हुए उन्होंने किशोर लड़कियों को छोटे समूहों में प्रशिक्षण दिया।

उपासना का सपना

उपासना देवल की रहने वाली है तथा यह चार भाई बहन है जिसमे उपसना सबसे छोटी है उपासना की मम्मी आशा का कार्य करती है पापा नहीं होने के कारण मम्मी को ही सारी जिम्मेदारी निभानी पड़ रही है बड़े भाई ने 12वी कक्षा तक पढ़ाई करके पढाई छोड़ दी है | लेकिन कोई काम नहीं करता जिसके कारण पारिवारिक आर्थिक स्थिति भी मजबुत नहीं है उपासना के पापा पुलिस में कार्यरत थे लेकिन पारिवारिक विवादों के चलते से उनको किसी भी प्रकार का कोई लाभ नहीं मिला और उनकी मृत्यु के बाद परिवार की हालत और ज्यादा ख़राब हो गई. उपासना का सपना है कि वह पढ़ लिखकर पुलिस में अपने पापा के जैसे काम करना चाहती है और अपने परिवार को अच्छी जिन्दगी देना चाहती है | वह जब परियोजना से जुड़ी तो मुद्दों को लेकर बहुत असहज महसूस करती थी शुरुआत में उनकी जरुरत के अनुसार अतिरिक्त समय देकर उनको अन्य जानकारियां भी देते थे जिसके कारण उनका जुडाव परियोजना से ज्यादा से ज्यादा होता गया | वर्तमान में उपासना ने परियोजना स्तर पर स्वयं एक फेसिलिटेटर के रूप में बैठक करवाने में कार्यकर्ता की मदद करती है |किशोर किशोरियों को संक्रमण की समस्या हो रही थी इस बात को उपासना द्वारा बैठक में रखी गई और वह देवल से 6 किशोर किशोरियों को उजाला क्लिनिक तक लेकर आई | अपनी और अपने समुह की कोई भी समस्या हो उपासना बिना डरे सरपंच, स्कूल शिक्षक और बैठको में आसानी से रखती है और समस्या का निवारण करवाती है |

उपासना डामोर ,उम्र – 16 वर्ष
गाँव – देवल, जिला डूंगरपुर

यूनिसेफ के साथ मिलकर राजस्थान के जयपुर, उदयपुर और डूंगरपुर जिलों में किशोरियों के सशक्तिकरण के लिए माध्यमिक विद्यालयों में गठित गार्गी मंच को मजबूत करने की पहल शुरू की गई।

इस परियोजना द्वारा शिक्षा विभाग को तकनीकी और वित्तीय सहयोग के माध्यम से समग्र शिक्षा अभियान, शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार के साथ मिलकर गार्गी मंच के संचालन और सुदृढ़ीकरण के लिए प्रयास किये गए। यह परियोजना गार्गी मंच के लिए एक मजबूत तंत्र तैयार करेगा जिसमें स्कूलों में लड़कियों का नामांकन और ठहराव, सुरक्षित स्कूलों का विकास और छात्रों की विशेष रूप से लड़कियों की मौजूदा रूढ़ियों और लिंग आधारित हिंसा को चुनौती देने की क्षमता में वृद्धि शामिल है जो उनके विकास को प्रभावित करती है। परियोजना की शुरुआत कार्यकर्ताओं के चयन और उनके अभिमुखीकरण के साथ की गयी। जिसका उद्देश्य गार्गी मंच (समग्र शिक्षा अभियान, जयपुर द्वारा प्रस्तुत) की संशोधित अवधारणा की गहन समझ प्रदान करना था ताकि जीवन कौशल की अवधारणा की बेहतर समझ हो सके।

गार्गी मोड्यूल निर्माण कार्यशाला

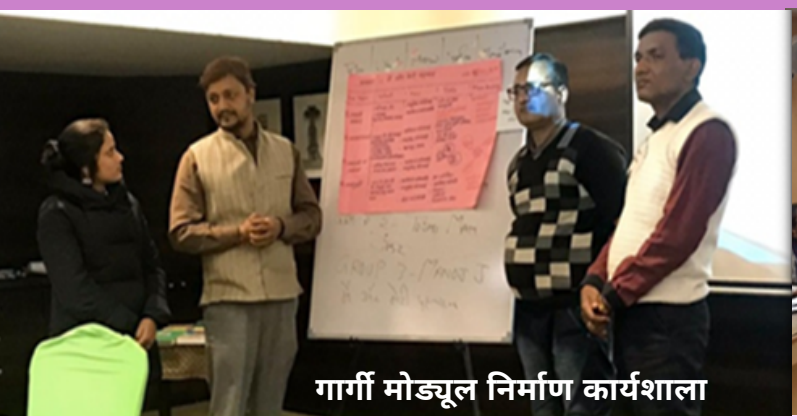

गार्गी मोड्यूल - राज्य स्तरीय कार्यशाला

COVID19 के वातावरण के संदर्भ में एक भेदभाव मुक्त शिक्षा के निर्माण की दिशा में एसएमसी/एसडीएमसी को मजबूत बनाना (अगस्त 2020 - दिसंबर 2020)

राजस्थान के सभी माध्यमिक विद्यालयों को अपने-अपने विद्यालयों में प्रत्येक कक्षा में बालक-बालिकाओं की सदस्यता के साथ गार्गी मंच स्थापित करने का निर्देश दिया गया है। नियमित छात्रों के अलावा ड्रॉप आउट लड़कियों को भी मंच में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जा सकता है। समुदाय के सक्रिय स्वामित्व के माध्यम से एसएमसी/एसडीएमसी यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं कि सीखने सिखाने की प्रक्रिया स्कूल परिसर के बाहर बाधारूप नहीं है। कोरोना के पश्चात फिर से जब विद्यालय खुलेंगे तो विद्यालय को स्वयं सुरक्षित समावेशी क्षेत्र बनाने में एसएमसी की महत्वपूर्ण भूमिका है जहाँ हर बच्चे के लिए भयमुक्त और भेदभाव से मुक्त वातावरण मिल पाये |

राजस्थान के 25000 स्कूलों में "गार्गी मॉड्यूल" मुद्रित और प्रसारित

गार्गी ई-न्यूजलेटर के पांच संस्करण शालादर्पण पोर्टल पर अपलोड

परियोजना के तहत 72 मुख्य सन्दर्भ व्यक्तियों को जीवन कौशल और लैंगिक मुद्दों पर प्रशिक्षण

विद्यालय प्रबंधन समिति सशक्तिकरण

unicef for every child

आखिरकार स्कूल में COVID-19 के संभावित प्रसार को रोकने के लिए आवश्यक सावधानियों की निगरानी व्यवस्थाये भी एसएमसी/एसएमडीसी भूमिकाओं में आती हैं। राज्य स्तर पर, यूनिसेफ के तकनीकी सहयोग से शिक्षा विभाग स्कूल प्रबंधन समितियों की क्षमता वर्धन से लेकर COVID-19 के संदर्भ में भेदभाव मुक्त शिक्षण वातावरण प्रदान करने हेतु स्पष्ट और योग्य कार्रवाई तथा मार्गदर्शन प्रदान किया।

शिक्षा विभाग के साथ उनके पिछले अनुभव के परिणामस्वरूप उनकी क्षमताओं में वृद्धि हुई है नवप्रवर्तन और सहकर्मी नेता के विकास सहित वृद्ध किशोरों के साथ जुड़ाव अनुकूल गार्गी मॉड्यूल; हेड मास्टर (प्रमुख संसाधन व्यक्ति) का प्रशिक्षण और की एक श्रृंखला डिजिटल ई-पत्रिका जिसे एसएमएसए द्वारा अधिसूचित और परिचालित किया गया है। उनके पास एक समृद्ध अनुभव है किशोरों, समुदायों विशेष रूप से माता-पिता के साथ काम करना और एक सही केंद्रित पर लगना, समावेशी दृष्टिकोण।

एसएमसी/एसडीएमसी के मौजूदा मॉड्यूल में कोविड उपयुक्त व्यवहार पर एक अध्याय

शिक्षा की निरंतरता हेतु घरेलू स्तर पर "लर्निंग कॉर्नर" (मेरा कोना) नामक एक पहल

68 केआरपी को कोविड उपयुक्त व्यवहार में एसएमसी की भूमिका और जिम्मेदारी पर प्रशिक्षित

शाला प्रबन्धन समिति (SMC) /
शाला विकास एवं प्रबन्धन समिति (SDMC)

राजकीय ______ विद्यालय, गांव ______ पंचायत ______ पंचायत समिति ______ जिला ______

SMC और SDMC विद्यालय के विकास और विद्यार्थियों की बेहतर शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, जो विद्यालय की सुविधाओं व अन्य व्यवस्थाओं का ध्यान रखती है, बालकों के पोषण की गुणवत्ता देखती है, विद्यालय में नामांकन पर नजर रखती है, समुदाय, माता–पिता और विद्यालय के बीच संपर्क बनाए रखती है और विद्यालय विकास के लिए जन सहयोग प्राप्त करती है।

हमारी SMC या SDMC समिति के सदस्य

क्रम	नाम	पद	फोन/मोबाईल	क्रम	नाम	पद	फोन/मोबाईल
1				13			
2				14			
3				15			
4				16			
5				17			
6				18			
7				19			
8				20			
9				21			
10				22			
11				23			
12				24			

SMC और SDMC अपने विद्यालय को कोरोना काल में सुरक्षित एवं स्वच्छ बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।
जतन संस्थान – वेबसाइट : jatansansthan.org | ई–मेल : info@jatansansthan.org | फोन : 8764107533
यूनिसेफ के मार्गदर्शन एवं सहयोग से जतन संस्थान द्वारा SMC और SDMC सशक्तिकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रकाशित एवं वितरित मुद्रक – संजरी प्रिन्टर्स, उदयपुर

केलेण्डर को उलट कर SMC और SDMC के बारे में और जानकारी प्राप्त करें . . .

शाला प्रबंधन समिति के कैलेंडर

एसएमसी की भूमिका और जिम्मेदारी पर पोस्टर के माध्यम से स्कूलों में मुद्रित और वितरित

शाला प्रबन्धन समिति व शाला विकास प्रबन्ध समिति - (SMC & SDMC)

- शाला प्रबन्धन समिति व शाला विकास प्रबन्ध समिति स्कूल की देखरेख के लिए जिम्मेदार हैं। SMC प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में होती हैं और SDMC माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्कूलों में बनाई जाती हैं।
- ये समितियां अध्यापक, माता–पिता, बच्चे और पंचायत सदस्य से मिलकर बनती है। जब पूरा गांव शामिल हो तो ''साधारण सभा'' और जब कुछ विशेष चयनित लोग मिलकर स्कूल प्रबन्धन और विकास के लिए कार्य करते है तो ''समिति'' कहलाती है।
- SMC में 16 सदस्य होते हैं। 2 अध्यापक, 11 माता–पिता, 1 वार्ड पंच/जनप्रतिनिधि, 2 मनोनीत सदस्य (1 विधायक प्रतिनिधि) और 1 गांव के स्कूल का 1 छात्र/छात्रा।
- SDMC बड़े स्कूल की बड़ी समिति है तो सदस्य भी 23 होते हैं। इसमें 5 लोग स्कूल अध्यापक, 1 लेखा, 2 विद्यार्थी, 3 जनप्रतिनिधि (अलग–अलग स्कूल के), माता–पिता (सभी समाजों से) शिक्षा विभाग द्वारा रखे लोग ऐसे कुल मिलाकर 23 लोगों की समिति है।
- दोनों ही समितियां इस बात का ध्यान रखती हैं कि स्कूल में पूरे अध्यापक हैं, पढ़ाई नियमित हो रही है, स्कूल में पौष्टिक भोजन मिल रहा है, पीने का स्वच्छ पानी है, हाथ धोने का पानी, शौचालय संचालित हो रहा है, बिल्डिंग का रख–रखाव ठीक है।
- समिति की बैठक हर अमावस को रखी जाती है। बैठक में कोरम का पूरा होना जरूरी है।
- दो वर्ष में समिति का पुनगर्ठन होता है। जैसे–जैसे बच्चे अगली कक्षाओं में जाते हैं और उनकी जगह दूसरे बच्चे आ जाते हैं, वैसे–वैसे समिति के अभिभावक सदस्य भी दूसरे बच्चे के माता–पिता बनते जाते हैं।

एस.एम.सी कार्यकारिणी समिति के पदाधिकारी निम्न होंगे–

क्र.स.	पद	चयन प्रक्रियापूर्ण	पता
1.	अध्यक्ष	समिति की साधारण सभा द्वारा उसके माता–पिता संरक्षक सदस्यों में से कार्यकारिणी समिति हेत निर्वाचित 11 सदस्यों में से कार्यकारिणी समिति के सदस्यों द्वारा निर्वाचित।	
2.	उपाध्यक्ष	समिति की साधारण सभा द्वारा उसके माता–पिता या संरक्षक सदस्यों में से कार्यकारिणी समिति हेतु निर्वाचित 11 माता–पिता या संरक्षक सदस्यों में से कार्यकारिणी समिति के सदस्यों द्वारा निर्वाचित।	
3.	सदस्य	साधारण सभा द्वारा उसके माता–पिता या संरक्षक सदस्यों में से कार्यकारिणी समिति हेतु निर्वाचित 11 (11) सदस्य, जिनमें कम से कम 6 महिलाएं, 1 अनुसूचित जाति व 1 अनुसूचित जनजाति से सम्बन्धित हो।	
4.	पदेन सदस्य (1)	ग्राम पंचायत/नगर पालिका के जिस वार्ड में विद्यालय स्थित है, उस वार्ड का वार्ड पंच/पार्षद	
5.	पदेन सदस्य सचिव (1)	प्रधानाध्यापक/प्रधानाध्यापक के न होने पर वरिष्ठतम अध्यापक/प्रबोधक	
6.	निर्वाचित	विद्यालय के अध्यापकों द्वारा समिति हेतु निर्वाचित एक अन्य–महिला अध्यापक/प्रबोधक (यदि उपलब्ध अध्यापक हो) अन्यथा पुरुष अध्यापक/प्रबोधक	
7.	मनोनीत सदस्य (2)	विद्यालय परिक्षेत्र के विधान सभा सदस्य द्वारा नामित ऐसे दो व्यक्ति (जिसमें कम से कम एक महिला हो तथा एक माता–पिता या संरक्षक सदस्यों में से हो) जो ग्रामीण क्षेत्र हेतु उस राजस्व ग्राम/शहरी क्षेत्र हेतु उस वार्ड का निवासी हो जिसमें विद्यालय स्थित है अथवा समिति के माता–पिता या संरक्षक सदस्यों द्वारा मनोनीत स्थानीय शिक्षा शास्त्री अथवा विद्यालय का बालक। मनोनयन में प्रथम प्राथमिकता विधानसभा सदस्य द्वारा नामित व्यक्तियों को दी जावे, लेकिन मनोनयन से पूर्व विधान सभा सदस्य द्वारा नामित व्यक्तियों की उनसे लिखित में स्वीकृति लिया जाना आवश्यक होगा। मनोनयन में द्वितीय प्राथमिकता विद्यालय परिक्षेत्र के निवासी राष्ट्रीय/राज्य स्तर पर पुरस्कार प्राप्त शिक्षक को दी जावे।	
		कुल सदस्य	16

	एस.डी.एम.सी. कार्यकारिणी समिति की संरचना–	
1.	प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक	अध्यक्ष
2.	अभिभावकों में से एस.सी./एस.टी. समुदाय के प्रतिनिधि	2 सदस्य
3.	अभिभावकों में से महिला प्रतिनिधि	2 सदस्य
4.	अभिभावकों में से अन्य प्रतिनिधि	2 सदस्य
5.	सामाजिक विज्ञान का अध्यापक प्रतिनिधि	1 सदस्य
6.	विज्ञान का अध्यापक प्रतिनिधि	1 सदस्य
7.	गणित का अध्यापक प्रतिनिधि	1 सदस्य
8.	पंचायत/शहरी स्थानीय निकाय के प्रतिनिधि सदस्य	2 सदस्य
9.	ऑडिट व वित्त विभाग का एक व्यक्ति (संस्था का लेखा कार्मिक) प्रतिनिधि	1 सदस्य
10.	शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यक समुदाय का प्रतिनिधि	1 सदस्य
11.	महिला समूहों में से प्रतिनिधि सदस्य	1 सदस्य
12.	ग्राम शिक्षा विकास समिति का सदस्य/शिक्षा विद्	1 सदस्य
13.	विज्ञान, मानविकी एवं कला/संस्कृति/क्राट की पृष्ठभूमि वाले (जिला परियोजना समन्वयक द्वारा मनोनीत) प्रतिनिधि	1 सदस्य
14.	जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा मनोनीत अधिकारी	1 सदस्य
15.	विद्यार्थी प्रतिनिधि	2 सदस्य
16.	विधायक प्रतिनिधि	2 सदस्य
17.	प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक द्वारा नामित मुख्य शिक्षक (हेड टीचर) (वरिष्ठतम व्याख्याता–उच्च माध्यमिक विद्यालय में/वरिष्ठतम वरिष्ठ अध्यापक–माध्यमिक विद्यालय में) सदस्य	सचिव
	कुल सदस्य	23 सदस्य

नोट : SMC/SDMC की बैठक का दिन हर महीने की अमावस्या को रखा गया है। केलेंडर को देखिये, इसमें अमावस्या के दिन को विशेष दिखाया गया है ताकि आप को इस दिन की बैठक याद रहे।

महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए...

10200+

महिलाएं लाभान्वित

पंचायतीराज में सशक्त भागीदारी - रेलमगरा

द हंगर प्रोजेक्ट के सहयोग और मार्गदर्शन में जतन संस्थान द्वारा पंचायतीराज त्रि-स्तरीय व्यवस्था के अंतर्गत चयनित महिला जन प्रतिनिधियों के साथ वर्ष 2002 से कार्य किया जा रहा है। रेलमगरा (राजसमन्द) तथा सहाड़ा (भीलवाड़ा) में गठित महिला पंच-सरपंच संगठन महिला जनप्रतिनिधियों को उनके अधिकार स्पष्ट करते हुए उनकी भागीदारी को बढ़ाने हेतु सक्रिय रूप से काम के लिए समझ विकसित करने तथा समय-समय पर विविध गतिविधियों द्वारा क्षेत्र विकास के मायने स्पष्ट करने के लिए कार्य प्रगति पर है। ये संगठन एकता से और आपसी समझ के साथ कार्य करने के दौरान आ रही चुनौतियों का सामना करने की कला विकसित कर चुके हैं।

5616

जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सुरक्षा में जुडवाना

808

महात्मा गांधी राष्ट्रीय गारंटी योजना से जुडवाना

रेलमगरा ब्लॉक के ग्राम पंचायत खंड बामनिया में सरपंच पुरण कुंवर पूर्व में उप सरपंच रह चुके है। सरपंच बनने के तुरन्त बाद में कोरोना माहमारी फेल गई सरपंच पुरणकुवर द्वारा कोरोना माहमारी के समय में लोगो के घर जाकर उनको मास्क पहने के लिए प्रेरित किया गया सामाजिक दूरियां, हाथ धोने के बारे में चर्चा की गई और लोगो को जागरूक किया कि इस माहमारी में हमें अपनी पंचायत व देश को बचाना है। ग्राम पंचायत में भामाशाह तैयार कर लोगो की सहायता की, विशेष जिंक की मदद लेकर क्वारंटाइन सेन्टर पर विजीट की गई और आपस में प्रवासी लोगो द्वारा लडाई की गई उन को बैठा कर आपस में समझाईस की गई और फिर से प्रेम पूर्वक रहने लगे । पुरण कुंवर द्वारा अपनी पंचायत में प्रवासी श्रमिक आते ही टीम को सूचना दी गई और जल्द से जल्द कोरनटेन किया गया । बाहर से आये प्रवासी परिवारो को रोजगार से जोडा, उनके जॉब कार्ड बनवाये गये ताकि नरेगा से जोड दिया और नरेगा में उनकी विजीट रही, लोगों को कोरोना माहमारी से कैसे बचना है उसके उपर विस्तार से चर्चा की गई उनका महिलाओ के प्रति विशेष लगाव है |

सरपंच पुरण कुंवर द्वारा कोरोना माहमारी में किसानो को चने के उचित दाम नही मिल रहा है इससे किसान के चेहरे पर दुख की लकीरें है तो सरपंच द्वारा अपनी पंचायतें के लेटरहेड पर ज्ञापन लिख कर सरकारी अधिकारियों को दिये ताकी उनको फसल का उचित दाम मिल सके और किसान को राहत की सॉस ले सके | पुरण कुंवर को कोरोना काल में सराहनीय कार्य करने पर राजसमन्द जिला परिषद में कलेक्टर द्वारा अवार्ड से सम्मानित किया गया और वर्तमान में पुरण कुंवर द्वारा अपनी पंचायत में कोई भी पात्र व्यक्ति सामाजिक सुरक्षा योजना से नही छुट जाये इसके लिए पंचायत टीम द्वारा पूरी पंचायत में सर्वे कार्य आरम्भ किया गया । कोराना काल में जिन परिवारो को खाध्य सुरक्षा में नही है उनके नाम जुडवाये गये और PDS की दुकान का अवलोकन किया गया ।

सुमा

जतन संस्थान 2001से ही राजसमन्द जिले में महिलाओं के स्वास्थ्य अधिकार के लिये कार्य करता रहा है| चेतना संस्थान के साथ राजसमन्द में गर्भावस्था,प्रसव और प्रसवपूर्व में होने वाली माता व शिशु की मृत्यु को कम करने के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ,प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में संस्थागत प्रसव हो,ग्राम स्वास्थ्य पोषण समिति ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति की बैठक सुनिश्चत करवाना,बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिये पैरवी हेतु प्रशासन के साथ संवाद,महिलाओं की आवाज,गर्भवती महिला की सेवाओं को ट्रेकिंग करना जिला व राज्य स्तर पर मुद्दों की पैरवी करना आदि कार्यक्रम का आयोजन किया गया|

इस वर्ष 2020 में कोरोना काल का समय आने से महिलाओं और बच्चों की स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रभाव अधिक देखने को मिल रहा है सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल पा रही है, कोविड के कारण महिलाएं भी घर से बाहर नहींनिकल पा रही हैं | सभी तरफ आवागमन बंद है | ऐसे में गर्भवती महिलाओं और बच्चों की स्वास्थ्य सेवाओंके लिये अलग रणनीति बनानी पड़ी है जिससे कोविड काल में स्वास्थ्य सेवाओंको घर तक कैसे पहुँचाया जा सके,इस पर विचार किया गया |

संस्थान द्वारा गर्भवती महिलाओं और धात्री महिलाओं की मोबाइल नंबर की लिस्ट एकत्रित की गई|कोविड में ऑडियो वीडियो संदेश, आशाओं के साथ सम्पर्क करना, महिलाओं की मांग को समझना है |

अंतराष्ट्रीय जननी सुरक्षा दिवस - 11 अप्रेल को कस्तूरबा गाँधी के जन्म दिवस पर अंतराष्ट्रीय जननी सुरक्षा दिवस के अंतर्गत संस्थान द्वारा वीडियो संदेश बनाकर 2000+ समुदाय व सामाजिक कार्यकर्ता, अध्यापक, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधियों के WhatsApp समूह में साझा किया गया|सन्देश द्वारा लगभग 2500 प्रतिभागी तक पहुँच बनी |

कार्यक्रम का उद्देश्य

कोविड में मिलने वाली सेवाओं का पता करना |

लाभार्थीयों तक स्वास्थ्य सेवाओं के ऑडियो वीडियो संदेश को साझा करना |

लाभार्थीयों की मांग को प्रशासन तक रखना

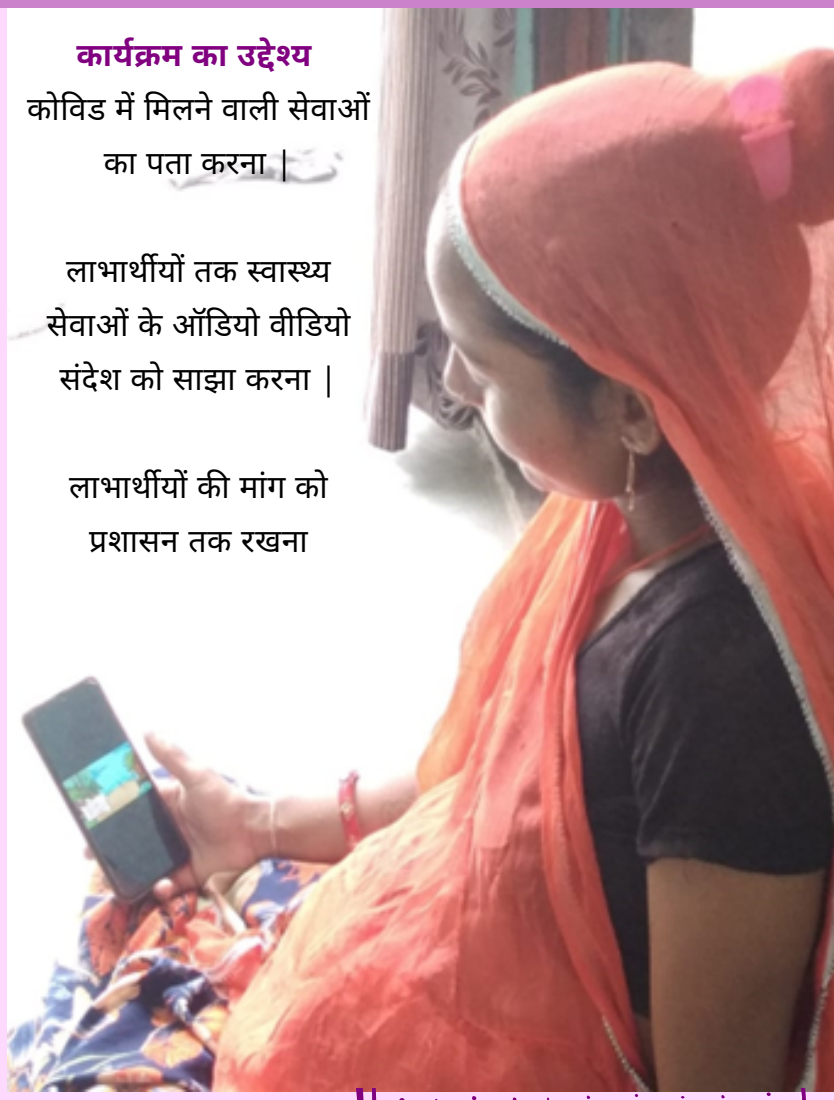

महिलाओं का फीडबेक सर्वे

कोरोना में रेलमगरा ब्लॉक में 35 महिलाओं से फीडबैक लेकर राज्यस्तर पर पैरवी में रखी गई जिसमें गर्भावस्था, महिलाओं व बच्चो के मौलिक अधिकार, सम्मानपूर्ण मातृत्व,मातृ=शिशु स्वास्थ्य देखभाल आदि मुद्दे शामिल थे |

वीडियो के माध्यम से संदेश दिया

कोरोने का समय गर्भवती व धात्री महिलाओं तक सेवाओ की जानकारी नहीं पहुँच पाने से और महिलाएं घर से बाहर नहीं निकल पाने के कारण एक रणनीति बनाई गई जिसमें WhatsApp समूह का निर्माण कर गर्भवती महिलाओं को उससे जोड़ा गया व वीडियो संदेश साझा किये गए |इसके साथ आंगनवाडी कार्यकर्ताओं एवं आशा सहयोगिनियों द्वारा अपने आस-पास की महिलाओं से व्यक्तिगत सम्पर्क कर वीडियो संदेश साझा किये गए |

7 विषयों पर संदेश

1) महामारी में गर्भावस्था
2) महामारी में स्तनपान
3) महामारी में प्रसवपूर्व देखभाल
4) अस्पताल में प्रसव
5) प्रसव में सकारात्मक अनुभव
6) दुर्व्यवहार एवं भेदभाव
7) प्रसव के बाद सावधानियां

सुमा - सुरक्षित मातृत्व परियोजना

311

महिलाओं से मातृत्व स्वास्थ्य की जानकारी हेतु पहुँच बनाई

2500

लोगो को वीडियो सन्देश से जोड़ा

367

गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूक

हमारी आवाज सुनों अभियान (सम्मानपूर्ण मातृत्व स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पैरवी अभियान)

60 महिलाओं से संवाद कर प्रसव पूर्व, प्रसव दौरान, प्रसव बाद के अनुभव को जानने का प्रयास किया गया और महिलाओं की समझ बनी कि हमारे प्रसव से जुड़ी अच्छी बुरी बातों को कहीं दर्ज किया जा रहा है और खराब अनुभव को सरकार के समक्ष रखा जायेगा, इसी आत्मविश्वास के साथ अपनी बात को खुल कर बताने का हौसला मिला |

महिलाओं के अनुभवों की पैरवी हेतु ब्लॉक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के समक्ष ऑनलाइन संवाद किया गया और संवाद में महिलाओं की मांग को जनप्रतिनिधियों के द्वारा रखा गया |अधिकारी ने मांग को स्वीकार किया और बदलाव करने का वादा किया| महिलाओं की मांगें इस प्रकार रही थी:-

- कुरज और धनेरिया अस्पताल में महिला डॉक्टर की नियुक्ति हो |
- अस्पतालों में सभी वार्डों में स्टाफ रहे ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत इलाज हो सके |
- स्टाफ की ओर से महिलाओं के साथ जाति के अनुसार भेदभाव नही किया जाए |
- महिला वार्ड में शौचालय हो और उसकी साफ़ सफाई समय पर हो व बिस्तर पर साफ़ चादर बिछाई जाए |
- आँगनबाड़ी केंद्र और उप स्वास्थ्य केंद्र में महिला और उसके परिवार के लिए बैठने की व्यवस्था हो |

परिवार परामर्श कार्यक्रम

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे - 5 (NFHS- 5) के अनुसार आज भी समाज में 25 प्रतिशत महिलाओं को किसी न किसी रूप में घरेलू कि हिंसा का सामना करना पड़ता है। जिससे परिवार और समाज के नैतिक मूल्यों का हनन हो रहा है। समाज में शांतिपूर्ण व्यवस्था बनाए रखने के लिए और हमारी संस्कृति को जिंदा रखने के लिए, कई सरकारी और गैर सरकारी संस्था घरेलू हिंसा और पारिवारिक विवादों को रोकने के लिए प्रयासरत हैं। जतन संस्थान 2001 से परिवारों को जोड़ के रखने के लिए परिवार परामर्श केंद्र का सफल संचालन कर रही है। जिसका मुख्य उद्देश्य समाज में महिलाओं, बच्चों और पीड़ित व्यक्ति को हिंसा मुक्त व भय मुक्त परिवार व समाज उपलब्ध करवाना है। उन्हें अपनी मूल अधिकारों के प्रति जागरूक करना है।

जतन संस्थान का प्रयास एक पारिवारिक हिंसा मुक्त समाज की स्थापना करना है और इसके लिए दोनों पक्षों को साथ बैठा कर समझाइश व परामर्श करवाया जाता है ताकि गलतफहमी दूर हो सके और प्रेम पूर्ण संबंध स्थापित हो सके।

इस वर्ष परिवार परामर्श केंद्र में जो पारिवारिक विवाद आये उनमें मुख्य रूप से दहेज़ उत्पीडन, मारपीट, यौन शोषण, आर्थिक व मानसिक हिंसा, विवाह एवं संतान सम्बंधित विवाद थे।

महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र

महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र, डूंगरपुर का शुभारम्भ

समाज के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं पर हिंसा की घटना बढ़ती जा रही है जो हर तरह से अमानवीय तथा महिलाओं के नैतिक मूल्यों का हनन करने वाली है| इसके अस्तित्व में रहते हुए शांति पूर्ण समाज की कल्पना करना संभव नहीं है| कई सरकारी, गैर सरकारी संस्थान महिलाओं के साथ हो रहे अमानवीय कृत्यों को रोकने के लिए प्रयासरत है| इसी क्रम में डूंगरपुर जिले में महिला सलाह केंद्र की स्थापना की गई जिसका मूल उदेश्य समाज में महिलाओं को हिंसामुक्त व भय मुक्त करना है तथा उन्हें अपने मूल अधिकारों के प्रति जागरूक करना है| इस दिशा में संस्थान द्वारा महत्पूर्ण प्रयास कर महिलाओं को क़ानूनी विलम्ब से बचाना और दोनों विवादित पक्षों को सभी सलाह प्रदान करवाना है| इसके तहत लगभग 24 परिवादित केस सामने आये और उनका निस्तरण में सहयोग प्रदान किया |

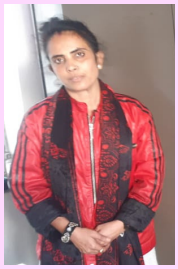

"जतन संस्थान के साथ कार्य करते हुए मुझे लगभग डेढ़ साल हो गया है| एक कार्यकर्ता के रूप में मुझे किस तरह कार्य करना है, महिलाओं को सशक्त बनाना है, कार्य के दौरान समय-समय पर मुझे विशेषकर कैलाश जी सर से यह सीखने मिला कि हर कार्य को धैर्य व सोच समझकर करना चाहिए जिससे किसी को भी किसी प्रकार की समस्या ना हो | कार्य के दौरान मैंने यह अनुभव किया है कि महिलाओं को बहुत जागरूक करने की अभी भी आवश्यकता है जिससे कि वह अपने हक अधिकार के लिए लड़ सके | मैं जतन संस्थान की बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझे कार्यकर्ता के रूप में चुना।"

- पूजा मखीजा (काउंसेलर, डूंगरपुर - जतन संस्थान)

उगेर

दक्षिण राजस्थान की मेवाड़ी भाषा में "उगेर" का अर्थ "नई शुरुआत" होता है। यह मासिक धर्म पर चुप्पी तोड़ने और जागरूकता के माध्यम से मासिक धर्म के स्वास्थ्य का प्रसार करने पर केंद्रित एक आंदोलन है | उगेर कार्यक्रम के तहत हम एक पुन: प्रयोज्य कपड़े सेनेटरी नैपकिन के उपयोग को बढ़ावा देते हैं, जिसे हमने उगेर पैड नामक कठोर शोध के माध्यम से विकसित किया है| इसे डिजाइन करने से पहले चार स्तंभों स्थिरता, पर्यावरण, स्वास्थ्य, सामाजिक और आर्थिक को ध्यान में रखते हुए निर्माण किया गया है व इसके टिकाऊपन को जांचते हुए पैड को एक स्थिरता ढांचे के माध्यम से डिजाइन किया गया है |

वित्तीय वर्ष की शुरुआत COVID 19 लॉकडाउन के बीच हुई | पिछले वित्तीय वर्ष के अंत में, उगेर टीम ने COVID 19 से बचाव को लेकर एक मास्क डिजाइन विकसित किया था, जिसका उत्पादन पहले ही शुरू हो चुका था। इस वित्तीय वर्ष की 2 अप्रैल तक-भारत सरकार के DIY (डू इट योर सेल्फ) मास्क मैनुअल में इस डिजाइन और उसे बनाने की विधि दिखाई दी। यह क्षेत्र आधारित क्लीनिकों और स्थानीय अस्पतालों के सहयोगियों के साथ-साथ रैपिड प्रोटोटाइप और फील्ड परीक्षण के माध्यम से संभव हुई एक उपलब्धि थी। हमने स्थानीय अस्पतालों, सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों, कारखानों, बैंकों और अन्य लोगों को मास्क की आपूर्ति की। वित्तीय वर्ष के अंत में हमने 30,000 से अधिक मास्क का उत्पादन किया था | हमारी सिलाई गतिविधियों में शामिल महिलाएं पूरे साल रोजगार से लाभान्वित हुयीं । जतन संस्थान की कॉपी लेफ्ट फिलॉसफी को ध्यान में रखते हुए, मास्क बनाने के विवरण को व्यापक रूप से साझा किया गया।

अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले के बोर्डुमसा महिला मंडल में हमारे पिछले साझेदारों ने भी कुछ हफ्तों के भीतर उत्पादन शुरू कर दिया, अपने जिले में मास्क की आपूर्ति की। जल्द ही मास्क बनाने की चरणबद्ध प्रक्रिया का विवरण देते हुए एक वीडियो बनाया गया जिसे कर्नाटक में समूहों द्वारा अनुकूलित किया गया था। हमारा कपड़ा पैड का उत्पादन भी साथ-साथ चल रहा था। हमने 5,000 से अधिक पैड का उत्पादन किया, जिसमें COVID 19 के दौरान वितरण के लिए अभियानों और संगठनों द्वारा खुदरा और खरीदारी दोनों शामिल थे। लॉकडाउन अवधि के दौरान उगेर पैड कैसे बनाया जाए, इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। वाटर एड ने उगेर पैड्स को "खुद करें" उदाहरण के रूप में इस्तेमाल किया और एक पोस्टर पर "पैड कैसे बनाएं " निर्देश मुद्रित किये, जिसे बाद में कई सोशल ग्रुप्स पर व्यापक रूप से प्रसारित किया गया। इसके बाद उन्होंने जतन को यह प्रदर्शित करने के लिए आमंत्रित किया कि ऑनलाइन सत्रों में कपड़े का पैड कैसे बनाया जाता है, जो मध्य प्रदेश के 75,000 से अधिक फ्रंट लाइन कार्यकर्ताओं के लिए आयोजित किया गया था। हमने सैनिटरी पैड की जरूरत वाले लोगों तक पहुंचने के लिए दो अभियान चलाए - "**We stand with her**” (हम उसके साथ खड़े हैं) और "**Her Health First**” (उसका स्वास्थ्य पहले) अभियानों में से एक Mint में चित्रित किया गया था::

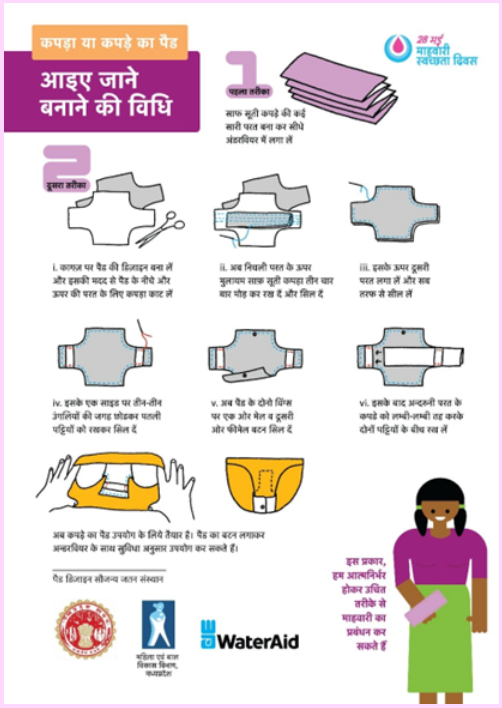

Scan & Read

उगेर

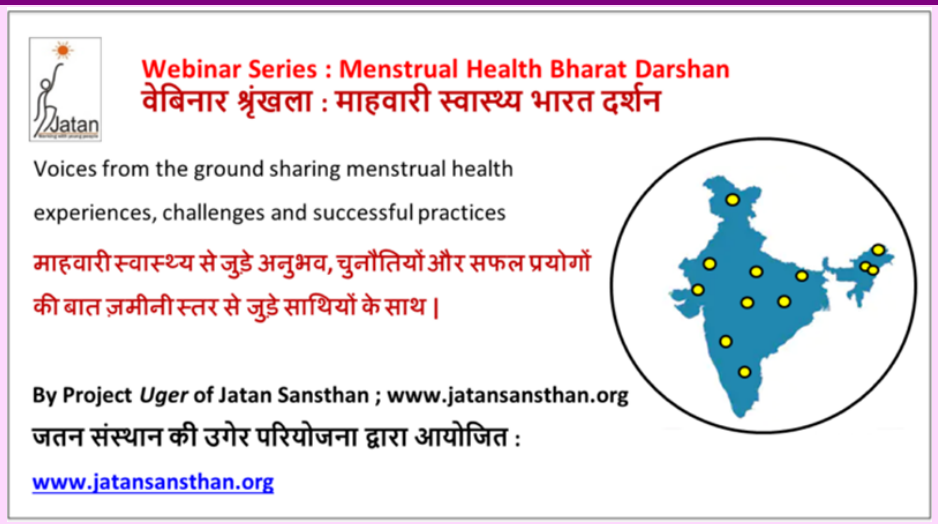

https://jatansansthan.org/menstrual-health-webinar-series/

मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रशिक्षण

उगेर कार्यक्रम के तहत मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रशिक्षण सत्र लाइन पर चले गए जहां हमने विभिन्न समूहों के लिए कई प्रशिक्षण आयोजित किए, इनमें से कुछ DRCDSSS (बाडमेर), एएमआईईडी (अजमेर), साधना (उदयपुर) स्पार्क मिंडा (हरियाणा) और अन्य थे।

कुछ अन्य हाइलाइट्स थे: **"Why Design Needs Copyleft?"** एक लेख ऑनलाइन प्रकाशित किया गया था जिसमें इस बात पर ध्यान दिया गया था कि कॉपी लेफ्ट को सामाजिक डिजाइन में दृढ़ स्थान की आवश्यकता क्यों है।

इसका एक उदाहरण टाटा ट्रस्ट है जिसने अपनी परियोजनाओं के लिए फिर से छपाई के लिए हमारे पोषण ध्वज डिजाइन का उपयोग किया। आप स्कैन कर लेख को पढ़ सकते है | हमारा कार्य "यूथ की आवाज़" पेज पर भी प्रकशित हुआ है आप इसे भी स्कैन कर देख सकते है |

Why Design Needs Copyleft?

यूनिट के सदस्यों ने "कोविड -19 के दौरान जेंडर उत्तर-पूर्वी भारत के परिप्रेक्ष्य" पर बोर्डुमसा महिला मंडल - अरुणाचल प्रदेश के भागीदारों के साथ एक पेपर का सह-लेखन किया।

"नाइटिंगलेस लीड: कोविड 19 महामारी के दौरान एक फेडरेशन के काम का एक लेखा" शीर्षक वाला पेपर अच्छी तरह से प्राप्त हुआ था। इस वर्ष हमारी अन्य उपलब्धि 6 वेबिनार की एक श्रृंखला थी जिसे मासिक धर्म स्वास्थ्य: भारत दर्शन कहा जाता है।

यह एक फील्ड लेंस के माध्यम से मासिक धर्म के आसपास सामुदायिक आवाजों और प्रथाओं को सुनने और दस्तावेज करने का एक प्रयास था। वक्ता विभिन्न समुदायों और फ्रंट लाइन कार्यकर्ताओं के सदस्य थे, जिन्होंने मासिक धर्म और उसके प्रबंधन का उनके लिए क्या अर्थ है, इसका प्रत्यक्ष अवलोकन प्रस्तुत किया। राज्यों में मुद्दों की तुलनात्मक समझ बनाने, जाति, लिंग, वर्ग और अन्य पहचान की जटिलताओं में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने का प्रयास किया गया था। श्रृंखला में 15 राज्यों के 58 वक्ताओं ने भाग लिया। Uger इकाई ने अन्य स्टाफ सदस्यों के लिए मासिक धर्म परिवर्तन पर एक क्षमता निर्माण कार्यशाला का समर्थन किया।जल्द ही हम "ब्लीड बॉडीज" पर अपनी पहली कार्यशाला आयोजित करने में सक्षम थे। इसे सेंटर फॉर माइक्रो फाइनेंस सिरोही, राजस्थान द्वारा कमीशन किया गया था। हमने छात्रों को सलाह दी क्योंकि उन्होंने विभिन्न परियोजनाओं पर काम किया था। इनमें से एक चेन्नई के लोयाला कॉलेज से पीएचडी उम्मीदवार एरिका लिज़बेथ वेगा थीं, जो मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य उपायों पर काम कर रही थीं। यह यूनिट युनाइटेड वर्ल्ड इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाइन, गांधीनगर के डिजाइन के अंतिम वर्ष के छात्र भाविक धोमने की सहायता करने में भी सक्षम थी।

Youth Ki Awaaz

RajPusht

राजपुष्ट, चाइल्ड इन्वेस्टमेंट फण्ड फाउंडेशन (CIFF) द्वारा वित्त पोषित एक पंचवर्षीय परियोजना है। जिसका मुख्य उद्देश्य राजस्थान में बच्चों की पोषण स्थिति में सुधार करना है। जतन संस्थान, आई. पी. ई. ग्लोबल (IPE Global) के साथ उदयपूर जिले में परियोजना का सफल संचालन कर रही है। परियोजना का प्राथमिक लक्ष्य गर्भवती महिलाएं, धात्री महिलाएं और दो साल से कम उम्र के बच्चों तक पहुँच बनाना, राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ उन तक पहुँचाना और मातृत्व स्वास्थ्य पर जागरूकता करना और व्यवहार परिवर्तन करना है।

72 पोषण चैंपियन (पीसी) ने अपने अपने क्षेत्रों में कोरोना के बारे में जागरूकता फैलाई।

ग्राम सभा में भागीदारी - पोषण से सम्बंधित सामाजिक जागरूकता फ़ैलाने के लिए के लिए पोषण चैंपियंस ग्राम सभा में शामिल हुए। साथ ही सम्पूर्ण पोषण का गर्भवती और धात्री महिलाओं के अच्छे स्वास्थ्य और स्वस्थ बच्चे के जन्म देने में किस प्रकार मदद करता है।

परियोजना परिणाम का आंकलन – बच्चों के पोषण में आये सुधार का आंकलन करने के लिए बच्चों के ऊंचाई माप और वजन डेटा संग्रह पर विशेष ध्यान दिया गया। ये ऐसे घटक हैं जिनके माध्यम से एक बच्चे के स्वास्थ्य और विकास को मापा जा सकता है। जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि हमारा कार्यक्रम एवं उसके उद्देश्य जन समुदाय तक ठीक से पहुँच रहे हैं।

72
पोषण चैम्पियन
3,175
आंगनवाडी
2,500
लोगों तक पहुँच हर महीने

वार्षिक कैंप, चितौड़गढ़

स्वस्थ परम्पराएं

इस वर्ष के शुरुआत से ही कोरोना वायरस का प्रकोप के कारण अधिकतर समय कार्यकर्ता घर से कार्य करते रहे और जैसे जरूरत हुई और प्रशासन से अनुमति मिली फिल्ड के कार्यों को सुचारू किया | वर्ष के अंत तक आते आते कोरोना का प्रकोप थोडा कम हुआ और कार्यकर्ताओं की कार्यालय में वापसी हुई उस दौरान कार्यकर्ताओं को फिर से कार्यों से जोड़ने एवं उनके उत्साहवर्धन के लिए सामाजिक दुरी व कोविड के प्रोटोकॉल का अनुसरण करते हुए वार्षिक कैंप का आयोजन चितौड़गढ़ में किया | कैंप में कार्यकर्ताओं के मनोरंजन के साथ उनके क्षमतावर्धन के लिए "**बचपन की दुकान**" कार्यक्रम के द्वारा प्रारम्भिक शिक्षा, स्वास्थ्य आधारित जानकारियां, सेवा कौशल विकास, जीवन कौशल, मैडिटेशन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि सत्र आयोजित किय गए. यह कैंप 3 दिवसीय था जिसमें कुल 70 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया |

जश्न-ए-जतन 2020

ऑनलाइन

जश्न-ए-जतन 2020-21 का थीम **"बाल श्रम विरुद्ध जतन"** रहा |

वर्ष 2020, 12 जून को जतन संस्थान का 20 वा स्थापना दिवस मनाया गया | कोरोना वायरस की स्थितियों को ध्यान में रखते हुए समाजिक दुरी की अनुपालना करते हुए स्थापना दिवस ऑनलाइन आयोजित किया गया | स्थापना दिवस समारोह में क्षमतावर्धन, संवाद व मनोरंजन आदि गतिविधियाँ रखी गई थी जिसमे पूरे जतन कार्मिकों ने भाग लिया |

पूरे दिन को अलग अलग क्षेत्रों से निर्धारित गतिविधियों को आयोजित करते हुए ऑनलाइन ज़ूम क्लाउड्स के माध्यम से जोड़ा गया| दिन की शुरुआत पहले सत्र **साईकिल सवारी** से अलग अलग परियोजनाओं के क्षेत्रों से हुई जिसमें खमनोर, राजसमन्द, गोगुन्दा और उदयपुर शामिल था | जिसका मुख्य उदेश्य बाल श्रम के बारे में जागरूक करना था |

दूसरा सत्र: ऑनलाइन संवाद और रंगोली प्रस्तुतिकरण आधारित था जिसमें पहले सभी परियोजना क्षेत्रों को ऑनलाइन जोड़ते हुए समूह गान का आयोजन किया गया और फिर रंगोली प्रतियोगिता में जुड़े जिसका थीम भी **"World day Child Labour"|** रंगोली को कपड़े पर बनाया गया था जिसे बाद में सार्वजनिक स्थलों पर बाल श्रम के विरुद्ध जागरूकता के संदर्भ में प्रदर्शित किया गया | इसी दौरान राजसमन्द में चाइल्ड लाइन दवारा जिला स्तरीय बाल श्रम विरुद्ध संवाद आयोजित किया गया | संवाद में ज़ूम क्लाउड्स के माध्यम से अलग अलग क्षेत्रों के बच्चों को जोड़ा गया और उनके सवालों व मुद्दों को अधिकारियों के समक्ष रखा गया | अधिकारीयों द्वारा बच्चों के सवालों व उनके मुद्दों पर चर्चा कर सुलझाया गया |

साहित्य-रंग : जतन के संग

ऑनलाइन

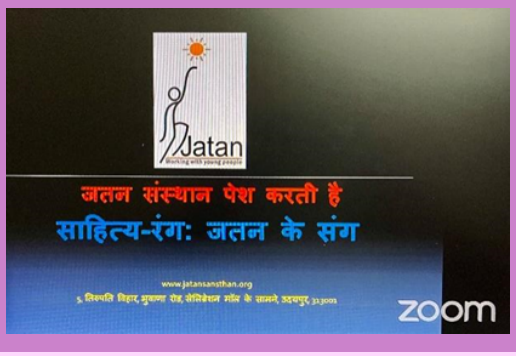

लॉकडाउन के दौरान कार्यकर्ताओं को एकरसता के वातावरण से उबारने और सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ने के लिए मई और जून 2020 माह में साप्ताहिक ऑनलाइन कार्यक्रम 'साहित्य-रंग : जतन के संग' आयोजित किया गया | इसका उद्देश्य कार्यकर्ताओं को हिंदी साहित्य की प्राचीन कहानियों का वाचन, कविता, संस्मरण, ग़ज़ल, शायरी और एकाभिनय के माध्यम से संस्कृतिक प्रस्तुति कौशल की अभिवृद्धि करना था | ये कार्यकम जतन के फेसबुक पेज और इन्स्टाग्राम पेज पर लाइव प्रदर्शित किया गया |

इस श्रंखला में ज़िन्दगी गुलज़ार मुशायरा, शाम-ए-ग़ज़ल, कहानी वाचन, किस्सागोई, मिमिक्री और महफ़िल जैसे रोचक कार्यक्रम आयोजित किये जिनमें न केवल जतन कार्यकर्त्ता बल्कि अन्य साथियों द्वारा भी भाग लिया गया |

ICDS स्टाफ के साथ प्रशिक्षण

माउंट आबू

ख़ुशी परियोजना के पहले चरण के दौरान आंगनवाडी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और आशा सहयोगिनियों के साथ शाला पूर्व शिक्षा, स्वास्थ्य- पोषण और समुदाय पर कई प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया | ICDS के अधिकारियों जैसे उपनिदेशक और CDPOs (बाल विकास परियोजना अधिकारी) के साथ मासिक और त्रेमासिक समीक्षा बैठकें आयोजित हुई | किन्तु इन दोनों के बीच की कड़ी **"महिला पर्यवेक्षक"** केवल सेक्टर बैठकों के दौरान ही सीधे परियोजना की प्रगति जान पाती थी | इसी क्रम में इस आमुखीकरण की रुपरेखा बनी |

उपनिदेशक, ICDS श्रीमती शांता मेघवाल से चर्चा के दौरान उन्होंने प्रस्ताव स्वीकार किया | यह तय किया गया कि प्रशिक्षण कहीं ऐसी जगह रखा जाए, जहाँ प्रशिक्षण आवासीय हो और संभागी उसमें पूरे समय उपस्थित रहे सके | इस पर माउंट आबू की संकल्पना रखी गयी |

माउंट आबू में **18-20 दिसंबर** के बीच आयोजित इस आमुखीकरण कार्यशाला में पहले दिन स्वागत, सुरक्षा पर चर्चा, परिचय के पश्चात राजसमन्द में बच्चों की स्थिति पर चर्चा हुई | तत्पश्चात ख़ुशी परियोजना के विगत चार वर्षों के अनुभव और लर्निंग, आगामी 5 वर्षों के प्लान और उसमे तीनों संस्थानों की भूमिका और समन्वय, अपेक्षाएं आदि पर चर्चा हुई | इस कार्यशाला में उपनिदेशक महोदया के साथ साथ खमनोर CDPO, महिला पर्यवेक्षक और ICDS स्टाफ शामिल हुए | हिंदुस्तान जिंक से CSR प्रमुख अनुपम निधि के साथ अनु अनमोल और भाग्य ज्योति जी शामिल हुए | जतन की ओर से निदेशक कैलाश बृजवासी, कार्यक्रम प्रबंधक ओम प्रकाश, उप प्रबंधक भूपेन साहू सहित पूरी कोर टीम शामिल हुई | अंतिम दिवस माउंट आबू भ्रमण का प्लान भी किया गया |द्वितीय चरण का विधिवत शुभारम्भ: इस दौरान दूसरे दिवस तीनों संस्थाओं के प्रमुखों ने साथ मिलकर ख़ुशी परियोजना के द्वितीय चरण का शुभारम्भ किया |

जतन कार्यकारिणी समिति

*As on March 2021

Mahesh Chandra Dadheech
Chairman

List of Governing Board Members

Dr. Kailash Brijwasi
Secretary / Executive Director

Goverdhan Singh Chouhan
Deputy Director/ Treasurer

Dr. Lakshmi Murthy
Additional Director

Ranveer Singh Shaktawat
Deputy Director

Mukesh Sinha
Board Member

Govind Singh Gehlot
Board Member

Mohammad Yusuf
Board Member

Sanjay Chittora
Board Member

कार्यकारिणी समिति की बैठकें

11 जुलाई 2020

12 सितम्बर 2020

20 नवम्बर 2020

9 जनवरी 2021

13 फरवरी 2021

साधारण सभा की वार्षिक बैठक

19 जनवरी 2021

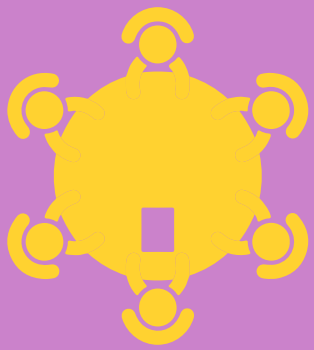

जतन साधारण सभा के सदस्य 2020-21

जतन साधारण सभा और कार्यकारिणी समिति के सदस्य

- Mahesh Dadheech, President
- Gowerdhan Singh Chouhan, Treasurer
- Dr. Kailash Brijwasi, Founder Secretary
- Dr. Lakshmi Murthy (Member)
- Ranveer Singh (Member)
- Ashwani Paliwal (Member)
- Govind Singh (Member)
- Sanjay Chittora (Member)
- Mohammad Yusuf (Member)
- Mukesh Sinha (Member)
- Prakash Bhandari (Member)
- Dr. Gayatri Tiwari (Member)
- Vardhani Purohit (Memebr)
- Charu Sharma (Member)
- Gitika Ramchandran (Memebr)

टीम जतन - कार्यकर्त्ता विवरण 2020-21

Sr. No.	Cadre	Total Staff Members
1.	Director	1
2.	Additional Director	1
3.	Deputy Directors	3
4.	Project/ Program Managers	15
5.	Assistant Managers	5
6.	Project/ Block Coordinators	15
7.	Subject Experts	5
8.	Cluster Coordinators	109
9.	Shiksha Mitra	31
10.	Poshan Champion	71
11.	Support Fellows	2
12.	Legal Advisor	1
13.	MIS & Data Entry	5
14.	Team Members	9
15.	Volunteers	5
16.	Counselors	3
17.	Fellow Teachers	71
18.	Office Assistant	6
19.	Honorarium	3
	TOTAL	**361**

(M) 94141 57232

S.D. BAYA & Co.

Chartered Accountants

S. D. Baya
M.Com., FCA

448, Moksh Marg
Shastri Circle
Udaipur (Raj.)

FORM NO. 10B

[See Rule 17B]

Audit Report under section 12A (b) of the Income-tax Act, 1961 in the case of charitable or religious trusts or institutions

I have examined the balance sheet of JATAN SANSTHAN RAILMAGRA AAATJ5544J [name and PAN of the trust or institution] as at 31/03/2021 and the Profit and loss account for the year ended on that date which are in agreement with the books of account maintained by the said trust or institution

I have obtained all the information and explanations which to the best of my knowledge and belief were necessary for the purposes of the audit. In my opinion, proper books of account have been kept by the head office and the branches of the above-named trust visited by me so far as appears from my examination of the books, and proper Returns adequate for the purposes of audit have been received from branches not visited by me subject to the comments given below:

In my opinion and to the best of my information, and according to information given to me the said accounts give a true and fair view: -

i. in the case of the balance sheet of the state of affairs of the above-named trust as at 31/03/2021

ii. in the case of the profit and loss account, of the profit or loss of its accounting year ending on 31/03/2021

The prescribed particulars are annexed hereto.

For S.D.BAYA & COMPANY
Chartered Accountants

(SHUBH DARSHAN BAYA)
PROPRIETOR
Membership No: 076167
Registration No: 007833C

Place :UDAIPUR
Date : 11/11/2021
UDIN : 22076167AAAAAK6801

WEAR 47 MASK

Jatan Sansthan
36, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District: Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

BALANCE SHEET
AS AT MARCH 31ST, 2021

LIABILITIES		AMOUNT			AMOUNT
CAPITAL FUND:		279,63,882.92	**FIXED ASSETS**	**Schedule-1**	217,77,594.00
- Opening Balance	474,26,833.83		**DEPOSIT:**		
Add: Purchase of Fixed Assets	9,03,902.00		- B. Rama Murthi- Guest house security		20,000.00
Less: During the Year	-187,14,511.91		- Telephone & LPG security		29,833.00
Less:Sale of Assets	16,52,341.00				
Current Liabilities	**Schedule-5**	105,29,111.82	**Current Assets**	**Schedule-4**	24,64,188.00
Unspent Balance of Grant	**Schedule-2**	65,02,745.97	**Grant Receivable**	**Schedule-2**	93,53,820.00
			Cash at bank	**Schedule-3**	80,98,497.71
			FD'S With Bank		32,51,808.00
TOTAL		**449,95,740.71**	**TOTAL**		**449,95,740.71**

Notes on Accounts
The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date

For: S.D. Baya & Company
Chartered Accountants

(S.D. Baya)
Proprietor
Membership No. 76167

(Dr. Kailash Brijwasi)

For: Jatan Sansthan

(Goverdhan Singh Chouhan)
Treasurer

Place: Udaipur (Raj.)
Date :11.11.2021

Jatan Sansthan
36, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District: Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT
FOR THE PERIOD ENDED 31-03-2021

EXPENDITURE	AMOUNT	INCOME		AMOUNT
PROGRAMME EXPENSES:		**Grant in aid:Plan International**		
1 SANDVIK COVID Response Work	16,02,400.00	1 - Grant during the year	16,02,400.00	16,02,400.00
2 Learning Orbit for Village Excellence (LOVE Project)	50,66,814.00	2 **Grant in aid: NSE Mumbai**		
		- Grant during the year	54,51,863.00	
		- Less: Opening overspent balance	4,61,929.00	
		- Add: Closing Overspent balance	76,880.00	50,66,814.00
3 Gargi Manch Project	8,36,884.00	3 **Grant in aid: UNICEF Jaipur**		
		- Grant during the year	18,63,170.00	
		- Less: Opening overspent balance	10,26,286.00	8,36,884.00
4 Prajwala Project	28,45,480.00	4 **Grant in aid: Bodh Shiksha Samiti Jaipur**		
		- Grant during the year	31,17,823.00	
		- Less: Opening overspent balance	11,78,478.00	
		- Add: Closing overspent balance	9,06,135.00	28,45,480.00
5 RajPushth Project	109,62,660.00	5 **Grant in aid: IPE Global New Delhi**		
		- Grant during the year	129,65,326.00	
		- Less: Opening overspent balance	8,16,955.00	
		- Less: Closing unspent balance	11,85,711.00	109,62,660.00
6 SMC	9,35,150.00	6 **Grant in aid: UNICEF Jaipur**		
		- Grant during the year	9,35,150.00	9,35,150.00
7 Initiative to improve nutrition status and enhance the enrolment of children through strengthening the ICDS services: "KHUSHI Project"	214,77,986.00	7 **Grant in aid: Hindustan Zinc Limited, Udaipur**		
		- Grant in aid during the year	186,91,608.00	
		- Received bank interest	-45,142.00	
			186,46,466.00	
		- Less: Opening overspent balance	37,12,676.00	
		- Add: Closing overspent balance	65,44,196.00	214,77,986.00
8 Child Line Project- Child Helpline 1098 (Rajsamand)	13,71,390.00	8 **Grant in aid: Child Line India, Mumbai**		
		- Grant during the year	8,14,996.00	
		- Add: Opening unspent balance	22,185.00	
		- Add: Bank interest	0.00	
		- Adds: Closing Overspent balance	5,34,209.00	13,71,390.00
9 Child Line Project- Child Helpline 1098 (Udaipur Railway Station)	14,37,450.00	9 **Grant in aid: Child Line India, Mumbai**		
		Grant During The Year	17,61,180.00	
		- Less: Opening overspent balance	5,29,570.00	
		- Add: closing over spent	2,05,840.00	14,37,450.00
10 Running of NFE and Balwadi Centre (Devali & Ramnagar, Udaipur) Intends to cater to the development needs of children with focus on health	9,37,205.50	10 **Grant in aid: Gebeco Reisen, Germany**		
		- Add: Grant in aid during year	8,43,933.00	
		- Add: Opening unspent balance	1,40,539.52	
		- Less: Closing unspent balance	41,101.52	
		- Less: Capital assets purchased	6,165.50	9,37,205.50
11 Strengthening the Leadership of Women Representative in Local Village Councils- Gram Panchayats so as to address violence against women through the governance framework	14,72,295.00	11 **Grant in aid: The Hunger Project, New Delhi**		
		- Add: Grant in aid during year	7,38,587.00	
		- Add: Opening unspent balance	7,22,764.00	
		- Add: Bank interest received	10,944.00	14,72,295.00
12 Partners for Equality- Ek Saath Campaign Project	49,135.00	12 **Grant in aid: CHSJ New Delhi**		
		- Add: Opening unspent balance	49,135.00	
		- Less: Closing unspent balance	0.00	49,135.00
13 Child Development Project	145,98,121.55	13 **Grant in aid: Child Fund India, Banglore**		
		- Add: Grant in aid during year	126,11,510.62	
		- Add: Bank interest received	42,554.90	
		- Add: Opening unspent balance	19,57,556.03	
		- Less: Capital assets purchased	13,500.00	145,98,121.55

14	Gems for Boys Programme	45,09,261.00	14 **Grant in aid: ICRW, New Delhi**		
			- Add: Grant in aid during year	49,92,317.00	
			- Add: Opening unspent balance	42,698.00	
			- Less: Capital assets purchased	34,499.00	
			- Less: Closing unspent balance	4,91,255.00	45,09,261.00
15	Kshamtalaya Education Programme	15,14,104.00	15 **Grant in aid: Educate for Life, UK**		
			- Add: Grant in aid during year	10,46,279.45	
			- Add: Opeining unspent balance	5,39,563.00	
			- Less: Capital assets purchased	47,100.00	
			- Less: Closing unspent balance	24,638.45	15,14,104.00
16	Smile Internship Programme: Volunteering Programme	9,000.00	16 **Grant in aid: Pravah New Delhi**		
			- Add: Grant in aid during year	9,000.00	9,000.00
17	FAYA Project	21,96,422.50	17 **Grant in aid: PFI, New Delhi**		
			- Add: Grant in aid during year	23,78,923.00	
			- Add: Bank interest received	38,932.00	
			- Add: Opening unspent balance	10,21,271.00	
			- Less: Capital assets purchased	32,140.50	
			- Less: Closing unspent balance	12,10,563.00	21,96,422.50
18	Block Education Transformation	14,06,445.00	18 **Grant in aid: NSE Foundation**		
			- Add: Grant in aid during year	46,59,884.00	
			- Add: Bank interest received	5,707.00	
			- Less: Capital assets purchased	90,538.00	
			- Less: Closing unspent balance	31,68,608.00	14,06,445.00
19	Jatan Sansthan UGER Programme	19,83,157.55	19 **Grant in aid and other receipts (UGER)**		
			Training & Workshop	86,655.00	
			Other Donation	20,20,475.62	
			Bank Interest	19,556.00	
			Less: Fixed Assets Purchased	5,825.00	
			Add:Opening unspent balance	3,92,224.45	25,13,086.07
20	Jatan Resource Centre	240,96,508.46	20 **Organisational Receipts**	52,28,233.84	
			Bank Interest	97,018.58	
			Less Purchase of Fixed Assets	6,74,134.00	
			Less:Opening Overspent Balance	1,22,542.74	45,28,575.68
21	Organisational expenses & Short term programmes	8,83,992.50	21 **Other Organizational Receipts:**		
			- Add: Opening unspent balance	81,170.71	
			- Add: Bank interest/Other Income	13,69,146.11	
			Less: Opening overspent Balance	2,42,831.97	12,07,484.85
	Excess of Income over Expenditure	-187,14,511.91			
	TOTAL	**814,77,350.15**			**814,77,350.15**

Notes on Accounts
The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date

For: S.D. Baya & Company
Chartered Accountants

(S.D. Baya)
Proprietor
Membership No. 76167

(Dr. Kailash Brijwasi)

For: Jatan Sansthan

(Goverdhan Singh Chouhan)
Treasurer

Place: Udaipur (Raj.)
Date :11.11.2021

14 Gems for Boys Programme	45,09,261.00	14 **Grant in aid: ICRW, New Delhi**		
		- Add: Grant in aid during year	49,92,317.00	
		- Add: Opening unspent balance	42,698.00	
		- Less: Capital assets purchased	34,499.00	
		- Less: Closing unspent balance	4,91,255.00	45,09,261.00
15 Kshamtalaya Education Programme	15,14,104.00	15 **Grant in aid: Educate for Life, UK**		
		- Add: Grant in aid during year	10,46,279.45	
		- Add: Opeining unspent balance	5,39,563.00	
		- Less: Capital assets purchased	47,100.00	
		- Less: Closing unspent balance	24,638.45	15,14,104.00
16 Smile Internship Programme: Volunteering Programme	9,000.00	16 **Grant in aid: Pravah New Delhi**		
		- Add: Grant in aid during year	9,000.00	9,000.00
17 FAYA Project	21,96,422.50	17 **Grant in aid: PFI, New Delhi**		
		- Add: Grant in aid during year	23,78,923.00	
		- Add: Bank interest received	38,932.00	
		- Add: Opening unspent balance	10,21,271.00	
		- Less: Capital assets purchased	32,140.50	
		- Less: Closing unspent balance	12,10,563.00	21,96,422.50
18 Block Education Transformation	14,06,445.00	18 **Grant in aid: NSE Foundation**		
		- Add: Grant in aid during year	46,59,884.00	
		- Add: Bank interest received	5,707.00	
		- Less: Capital assets purchased	90,538.00	
		- Less: Closing unspent balance	31,68,608.00	14,06,445.00
19 Jatan Sansthan UGER Programme	19,83,157.55	19 **Grant in aid and other receipts (UGER)**		
		Training & Workshop	86,655.00	
		Other Donation	20,20,475.62	
		Bank Interest	19,556.00	
		Less: Fixed Assets Purchased	5,825.00	
		Add:Opening unspent balance	3,92,224.45	25,13,086.07
20 Jatan Resource Centre	240,96,508.46	20 **Organisational Receipts**	52,28,233.84	
		Bank Interest	97,018.58	
		Less Purchase of Fixed Assets	6,74,134.00	
		Less:Opening Overspent Balance	1,22,542.74	45,28,575.68
21 Organisational expenses & Short term programmes	8,83,992.50	21 **Other Organizational Receipts:**		
		- Add: Opening unspent balance	81,170.71	
		- Add: Bank interest/Other Income	13,69,146.11	
		Less: Opening overspent Balance	2,42,831.97	12,07,484.85
Excess of Income over Expenditure	-187,14,511.91			
TOTAL	**814,77,350.15**			**814,77,350.15**

Notes on Accounts

The Schedule referred to above form part of the Accounts

Signed in terms of our report of even date

For: S.D. Baya & Company
Chartered Accountants

For: Jatan Sansthan

(S.D. Baya)
Proprietor
Membership No. 76167

(Dr. Kailash Brijwasi)

(Goverdhan Singh Chouhan)
Treasurer

Place: Udaipur (Raj.)
Date :11.11.2021

शिक्षा मित्र आमुखीकरण कार्यशाला

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की जरुरत

पंचायत स्तर पर कुपोषण प्रबंधन कैंप का आयोजन

शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण जाँच शिविर संपन्न

गुरुज्योति पत्रिका

कोरोना से बचाव की दिलाई शपथ

खेल-खेल में खुशी अभियान का शुभारं

राजसमंद। खुशी अभियान के शुभारंभ पर स्टॉल का अवलोकन करते अतिथि। फोटो : मुबारिक हुसैन

राजसमंद (प्रात:काल संवाददाता)। महिला एवं बाल विकास विभाग, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड व जतन संस्थान के तत्वावधान में संचालित खुशी परियोजना के तहत गुरुवार को कलक्टर कार्यालय से जिले के तीन ब्लॉक रेलमगरा, राजसमंद व खमनोर की 509 आंगनवाड़ियों के करीब नौ हजार बच्चों के लिए शाला पूर्व शिक्षा का किट के तहत बच्चों के लिए पाठ्यक्रम को लेकर जरूरी वस्तुएं बच्चों तक पहुंचाने के खुशी अभियान का हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ किया गया। जतन संस्थान उपनिदेशक रणवीर सिंह ने बताया कि आंगनवाड़ी केंद्र पर बच्चों के खेलने के लिए स्लाइडर, रॉकर व बच्चों के लिए शाला पूर्व शिक्षा का बैग की स्टाल का सहायक निदेशक बाल ... अध्यक्ष कोमल पालीवाल, ... संस्थान के निदेशक डॉ. कै... बृजवासी व हिंदुस्तान जिंक लि... सीएसआर से अभय गौतम और ... द्वारा द्वारा शुभारम्भ किया गया ... टेम्पो को हरी झंडी दिखाकर टेम्पो रवाना किया। यह सामग्री तीनों ब्लॉक में वितरित की जाएगी। इस दौरान जिला बाल कल्याण समिति से ... बहादुर सिंह चारण, सीमा डागलिया, रेखा गुर्जर, हरजेन्द्र सिंह चौ... जतन संस्थान के उपनिदेशक गो... सिंह, अतिरिक्त प्रोग्राम मैनेजर अहमदुगा खान, विषय विशेषज्ञ उषा चौधरी, राजू पहाड़िया, ... समन्वयक संजय राव, प्रमोद सारण, मरुधर सिंह, चाइल्ड लाइन परियोजना के सदस्य मौजूद थे।

बाल विवाह प्रतिषेध अभियान का आगाज

चाइल्डलाइन 1098 की सेवाओं की दी जानकारी

उदयपुर। सिटी रेलवे स्टेशन पर जतन संस्थान ने रेलवे के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को जोगी गांव में बच्चों व महिलाओं को ध्यान तथा चाइल्डलाइन 1098 की सेवाओं जानकारी दी। रेलवे चाइल्ड लाइन के समन्वयक मोईन मंसूरी ने बताया कि सूचना जिला चाइल्डलाइन नोडल निदेशक डॉ. लालाराम जाट एवं रेलवे चाइल्डलाइन निदेशक डॉ. कैलाश ब्रजवासी, जिला चाइल्ड लाइन समन्वयक नवनीत औदिच्य, मोहनलाल लोहार ने बच्चों और महिलाओं को चाइल्ड लाइन मास्क बांटे।

दिल्ली की टीम ने जेंडर, समानता, हिंसा आधारित मुद्दों पर स्कूलों में वार्ता की

खेरवाड़ा। उदयपुर जिले में शिक्षा विभाग की सहयोगी संस्था इंटरनेशनल सेंटर फॉर रिसर्च ऑन वुमन एशिया एवं जतन संस्थान उदयपुर के साझे में पिछले एक वर्ष से खेरवाड़ा ब्लॉक के राजकीय स्कूलों में कक्षा 6 से 8 के लड़कों के साथ जेंडर पर संवेदनशीलता, समानता, हिंसा एवं मर्दानगी के मुद्दों पर आधारित जेम्स कार्यक्रम के लिए वित्तीय सहयोग प्रदान करने वाली चाइल्ड इनवेस्टमेंट फंड फाउंडेशन दिल्ली के सदस्यों ने अवलोकन किया। इसमें मुख्य रूप से खेरवाड़ा ब्लॉक में जेम्स कार्यक्रम के दौरान लड़कों में आ रहे बदलावों, चुनौतियों, आगामी समय में व्यापक रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान दो स्कूलों राजकीय उच्च माध्यमिक डेरी एवं राजकीय उच्च प्राथमिक परबीला में जेम्स कार्यक्रम के तहत संचालित सत्रों का अवलोकन किया गया। इसके बाद खेरवाड़ा समग्र शिक्षा कार्यालय में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी एवं एसीबीओ तथा जेम्स के मास्टर ट्रेनर के साथ वार्ता की गई।

सकारात्मक बदलावों के माध्यम से कुपोषण के विरुद्ध पहल

गुरुज्योति पत्रिका

प्रशासन ने रैली निकाल कर किया जागरूक

खेरवाड़ा। जागरूकता रैली का दृश्य। फोटो-दिनेश जैन

राशन वितरण गाड़ी को रवाना किया

खमनोर | हिंदुस्तान जिंक और जतन संस्थान के सहयोग से ब्लॉक के पंचायत समिति में बुधवार को बीडीओ अमित शर्मा, तहसीलदार सोहन लाल शर्मा और सीडीपीओ विपुल जोशी ने हरी झंडी दिखाकर राशन वितरण गाड़ी को रवाना किया। ब्लॉक समन्वयक प्रमोद सारण ने बताया कि खुशी परियोजना में आंगनबाड़ी केंद्रों से जुड़े 475 परिवारों के लिए राशन सामग्री और मास्क पहुंचाए। इस दौरान घनश्याम धोबी और गणेश माली मौजूद थे।

कागज की पतंग से बच्चों ने भरी आसमान की उड़ान

1098 के संग बच्चो ने पतंग के माध्यम से आसमान में लगाई दौड़

गुरूज्योति पत्रिका

खमनोर / घनश्याम सेन। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय व जतन संस्थान के साझे में संचालित चाइल्ड लाइन परियोजना द्वारा बच्चों के लिए बाल मैत्री पूर्ण वातावरण करने के लिए चाइल्ड लाइन से दोस्ती सप्ताह के तहत खमनोर ब्लॉक के अखलिया भील बस्ती में पतंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया परियोजना समन्वयक संजय राव ने बताया कि जतन संस्थान प्लास्टिक के विरुद्ध रही है प्लास्टिक हानिकारक का संदेश देते हुए बाल सप्ताह में पतंगबाजी प्रतियोगिता करवाई गई। जिसमें प्लास्टिक से बनी पतंगो को उपयोग न लेकर कागज से बनी पतंगो से बच्चों के मध्य गतिविधि आयोजित 7 जिसमे बच्चों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। टीम सदस्य अनीता वैरागी ने बच्चों को बाल सप्ताह के बारे में अवगत करवाते हुए 1098 की जानकारी दी एवं प्लास्टिक मुक्त वातावरण बनाने के लिए सभी को प्रेरित किया व प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करने का सभी से अनुरोध किया। इस दौरान चाइल्ड लाइन टीम भानु कुमावत सहित बस्ती के बच्चें उपस्थित थे।

कपड़े के पैड बनाना सिखाया

जतन संस्थान की नई पहल

न्यूज सर्विस/नवज्योति, डूंगरपुर

डूंगरपुर। कपड़े के पैड बनाते किशोर-किशोरियां।- मयंक चौबीसा

पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से जतन संस्थान द्वारा जिले में फाया परियोजना का संचालन किया जा रहा है। फाया परियोजना डूंगरपुर ब्लॉक के 50 गांवों में संचालित है। इसके तहत 50 गांवों में 3000 किशोर किशोरियों के साथ यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य को लेकर कार्य किया जा रहा है, वर्तमान में कोवड-19 महामारी के दौरान हमारी किशोरियों को मुख्य समस्या सेनेटरी पैड की कमी की हो रही है।

इस समस्या को दूर करने के लिए फाया परियोजना के क्लस्टर को-ऑर्डिनेटर द्वारा एक नई पहल की गई। शनिवार को देवल पंचायत में क्लस्टर को-ऑर्डिनेटर गंगा द्वारा किशोर-किशोरियों को छोटे छोटे समूह में सोशल डिस्टेनसिंग को ध्यान में रखते हुये कपड़े का पैड बनाना सिखाया गया। अभी एक पंचायत से शुरूआत की गई है। आगे अन्य पंचायत के किशोर किशोरियों को भी इस तरह का प्रसिक्षण दिया जाएगा, ताकि इस कोविड मे भी किशोरी स्वास्थ्य का भी पूरा ध्यान रखा जा सके।

भिक्षावृत्ति नहीं करने के लिए समझाइश

राजसमंद | जतन संस्थान की ओर से बच्चों की सुरक्षा के लिए संचालित चाइल्ड लाइन परियोजना की टीम ने राजसमंद ब्लॉक के रीको एरिया की कच्ची बस्ती में ओपन हाउस कार्यक्रम किया। इसमें बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम पर चर्चा की गई।

जिला समन्वयक संजय राव ने बताया, रीको एरिया में बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम को लेकर हुए ओपन हाउस में बच्चों को शिक्षा से जोड़ने और शिक्षा के फायदे बताते हुए भिक्षावृत्ति नहीं करने के लिए समझाइश की गई। साथ ही वहां ऐसे परिवार रहते हैं जो घुमंतू हैं और शिक्षा से वंचित हैं। इनसे हुई बात में बताया कि कोविड-19 के पूर्णरूप से खत्म हो जाने के बाद बच्चों को नियमित स्कूल भेजेंगे। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष भावना पालीवाल द्वारा बच्चों के परिजनों की समझाइश की। इसके साथ ही समिति की कार्यप्रणाली के बारे में बताते हुए कोविड- 19 के बचाव के लिए लोगों को जागरूक किया। टीम सदस्य प्रतीक ने बच्चों को अच्छे और बुरे स्पर्श के बारे में समझाते हुए चाइल्ड लाइन 1098 के बारे में जानकारी दी। टीम सदस्य गोवर्धन, प्रतीक, संजय, गौरव, इन्टर्न गीतांजलि चौहान मौजूद थे।

...काम पर, बुजुर्ग रखते हैं बच्चों ख...

...का निरीक्षण किया तो श्रमिकों से बातचीत में ये बातें निकलकर सामने आईं।

विधिक सेवा प्राधिकरण व चाइल्ड लाइन का साझा प्रयास

क्वारंटीन सेन्टरों पर बालकों के संरक्षण को संयुक्त अभियान आज से

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

नरेगा कार्यों का निरीक्षण

महिला-पुरुष काम पर, बुजुर्ग रखते हैं बच्चों खयाल

मनरेगा श्रमिकों ने बताया कैसे कोरोना संकट ने बदल दी जीवन शैली

कार्यों का निरीक्षण किया तो श्रमिकों से बातचीत में ये बातें निकलकर सामने आईं।

चाइल्ड लाइन के जिला समन्वयक संजय राव ने बताया कि ...

खेरवाड़ा। कोरोना से बचाव की शपथ लेते सदस्य। फोटो-दिनेश जैन

जतन संस्थान ने कोरोना से बचाव की दिलाई शपथ

नवज्योति/खेरवाड़ा। उपखण्ड की नयागांव पंचायत समिति के राजकीय माध्यमिक विद्यालय माली फला व बावलवाड़ा क्षेत्र की राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय भलाई की शाला प्रबंधन समिति द्वारा कोरोना वायरस से बचाव व आवश्यक सावधानियां बरतने के लिए राष्ट्रीय जनचेतना अभियान कार्यक्रम के तहत जतन संस्थान खेरवाड़ा के सहयोग से सभी समिति सदस्यों, विद्यालय स्टाफ, जनप्रतिनिधियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को आज शपथ दिलाई गई। यह शपथ मालिफला विद्यालय के संस्था प्रधान व समिति सचिव मोहनलाल डोडा द्वारा व भलाई में संस्था प्रधान शंकर लाल मीणा द्वारा दिलवाई गई।

इसमें कोरोना वायरस के बचाव के लिए मुंह नाक पर मास्क लगाना, कम से कम 2 गज की दूरी बनाए रखना, बार बार साबुन से हाथ धोना, कोरोना योद्धाओं का सम्मान करना एवं सरकारी नियमों की पालना करना आदि बातों का सदस्यों को जागरूक करने के लिए इस कार्यक्रम के माध्यम से संदेश दिया गया है ताकि इस विश्वव्यापी महामारी से बचाव के लिए राष्ट्रीय विकास में भागीदार बना जा सके।

जतन संस्थान खेरवाड़ा के ब्लॉक समन्वयक देवनारायण गुर्जर ने बताया कि मालिफला के कार्यक्रम में कार्यकर्ता दुर्गा डामोर, विद्यालय स्टाफ, समिति सदस्य, जनप्रतिनिधि, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहित कुल 18 सदस्यों ने तथा भलाई में 19 सदस्यों ने भाग लेकर वायरस से बचाव के लिए समुदाय को प्रेरित किया।

भटेवर व मोड़ी में मेले

भटेवर. पोषण पखवाड़ा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत भटेवर एवं मोड़ी के आंगनवाड़ी केन्द्रों पर सेक्टर स्तरीय पोषण मेले का आयोजन किया गया। मेले में व्यंजन बनाने की विधि के बारे मे चर्चा करके व्यंजन बनाए गए। इसके साथ ही गर्भवती महिलाओ की गोद भराई तथा 6 माह पुरे होने वाले बच्चो का अन्न राशन कराया गया। भटेवर सरपंच हेमन्त अहीर, सुपरवाइजर नसरीन, मधुबाला, मोड़ी सरपंच कालूलाल जाट, सूरजमल मेनारिया आदि उपस्थित थे।

राजस्थान पत्रिका patrika.com 02

उदयपुर, शनिवार, 19 सितंबर, 202

चाइल्ड लाइन की टीम पहुंची कच्ची बस्ती के बच्चों के पास

बड़ा बनने के लिए पढ़ना बहुत जरूरी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

राजसमंद. रिको क्षेत्र में स्थित कच्ची बस्ती में बच्चों के साथ चाइल्ड लाइन परियोजना की टीम।

राजसमंद. जतन संस्थान द्वारा बच्चों की सुरक्षा के लिए संचालित चाइल्ड लाइन परियोजना की टीम द्वारा कच्ची बस्ती (रिको एरिया) में बाल भिक्षावृति की रोकथाम पर चर्चा की गई।

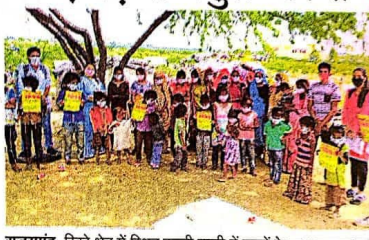

जिला समन्वयक संजय राव ने बताया की इस चर्चामें बच्चों को शिक्षा से जोड़ने एवं शिक्षा के फायदे के बारे में बताते हुए भिक्षावृति नहीं करने के लिए समझाइश की गई। साथ ही वहां ऐसे परिवार जो घुमन्तू हैं और शिक्षा से वंचित है, उनसे शिक्षा को लेकर बातचीत की गई। बच्चों ने भी अपनी इच्छा जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें भी बड़ा अधिकारी बनना है तथा समाज में अपनी नई पहचान बनानी है। एक बालिका ने बताया की वह 10 वर्ष पहले भोपाल सागर रहती थी। वहां पढ़ती थी, लेकिन यहां आने के बाद में कभी स्कूल नहीं गई। अब वह फिर से पढ़ना चाहती है। स्कूल खुलते ही पास ही सालमपुरा विद्यालय में एडमिशन ले लेगी।

चर्चाके दौरान परिवारजनों को पालनहार व श्रमिक कार्ड, छात्रवृत्ति सम्बन्धित योजनाओं की जानकारी देते हुए जीवन में शिक्षा के महत्व के बारे में बताया गया। चाइल्ड लाइन की ओर से बच्चों को मास्क लगाने व खाना खाने से पहले हाथ धोने को कहा गया। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष भावना पालीवाल द्वारा बच्चों के परिजनों की समझाइश की गई।

टीम सदस्य प्रतीक द्वारा बच्चों को अच्छा व बुरा स्पर्श के बारे में समझाते हुए चाइल्ड लाइन के बारे में बताया कि बच्चों से संबंधित किसी भी समस्या होने पर वे चाइल्ड लाइन 1098 पर कॉल कर जानकारी दे सकते हैं। इस दौरान टीम सदस्य गोवेर्धन, गौरव, इन्टर्न गीतांजलि चौहान आदिभी साथ थे।

पोस्टर प्रतियोगिता में बच्चों ने कागज पर बाल हिंसा के विरुद्ध, परिवार, शिक्षा से जुड़े चित्र उकेरे

भास्कर न्यूज़ | देवगढ़

महिला और बाल विकास मंत्रालय तथा जतन संस्थान के साझे में संचालित चाइल्ड लाइन परियोजना के चाइल्ड लाइन से दोस्ती सप्ताह के तहत बच्चों के लिए बाल मैत्री पूर्ण वातावरण निर्माण के उद्देश्य से देवगढ़ ब्लॉक के स्वादड़ी राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में पोस्टर प्रतियोगिता हुई। इसमें लगभग 50 बच्चों ने भाग लिया। अध्यक्षता जिला बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक कृष्ण कान्त सांखला ने की जबकि मुख्य

कोरोना काल में विद्यार्थियों के दायित्व विषय पर ऑनलाइन स्लोगन प्रतियोगिता

नाथद्वारा | सेठ मथुरादास बिनानी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना तथा राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे कोरोना जागरूकता अभियान में कोरोना काल मे विद्यार्थियों के दायित्व विषय पर ऑनलाइन स्लोगन प्रतियोगिता हुई। प्राचार्या शशि सचियार ने परिणामों की घोषणा करते हुए बताया कि प्रथम स्थान पर द्वितीय वर्ष विज्ञान के छात्र दशरथ सिंह, द्वितीय स्थान पर तृतीय वर्ष कला के छात्र नूतन कुमावत और तृतीय स्थान पर चंचल सथार प्रथम वर्ष कला की छात्रा

JATAN

गंगापुर क्षेत्र की 40 युवतियों ने ग्रुप बनाकर चित्रों से लॉक डाउन पालना की दे रही संदेश

खेरवाड़ा। कोविड से बचाव की शपथ लेते सदस्य व शिक्षक। फोटो-दिनेश जैन

कोरोना से बचाव की दिलाई शपथ

ग्राम विकास आमुखीकरण कार्यशाला में आजीविका बढ़ाने की दी जानकारी

कार्यालय संवाददाता | करौली

ग्राम पंचायत रामपुर धाबाई के राजीव गांधी सेवा केन्द्र पर सरपंच सिरमोहर गुर्मजर की अध्यक्षता में मंगलवार देर शाम ग्राम विकास आमुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें किसानों को आजीविका बढ़ाने के बारे में बताया गया।

इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रीबिजनिस प्रोफेशनल (आईएसएपी) के नवीन झा ने बताया कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की कार्यकारी संस्था भू जल धारा परियोजना की एजेंसी इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्री बिजनस प्रोफेसनल, सिकोई डिकोन वरिष्ठ जनों के उत्थान के लिए, जतन संस्था शिक्षा के विकास के लिए, ग्राम पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में कार्यशाला आयोजित की गई।

उन्होंने बताया कि कार्यशाला में किसानों को खेती से आजीविका बढ़ाने के तरीके जैसे मैड बंदी, एनिकट, तलाई निर्माण, उन्नत खाद एवं बीज उपलब्द करना, पशु पालन एवं मुर्गी पालन के व्यवसाय स्थापित करना, बागवानी लगाकर आय बढ़ाना, लघु उद्योग पर प्रशिक्षण देकर उनको रोजगार से जोड़ना की जानकारी दी। सिकोई डिकोई संस्था के किशन चौधरी ने वृद्धा अवस्था पेंशन, पालनहार योजना, विधवा पेंशन, फसल बीमा, प्रधानमंत्री सम्मान निधि एवं कई सरकारी योजनाओं के बारे में बताया। जतन संस्था की शाना खान ने ग्राम पंचायत में जो बच्चे पढ़ने से वंचित रह गए हैं उनके लिए अलग से शिक्षा के केंद्र खोल कर शिक्षा की अलख जगाएंगे।

सरपंच सिरमोहन गुर्जर ने बताया कि संस्था द्वारा ग्राम पंचायत में जो भी कार्य कराए जाएंगे उसमें मनरेगा के तहत श्रमिक उपलब्ध कराए जाएंगे और जो अन्य खर्चे होंगे वह संस्था द्वारा खर्च किए जाएंगे। इसके बाद सभी ने पंचायत के विकास की योजना बनाकर गांव का भ्रमण किया।

कार्यशाला को लटूरसिंह गुर्जर, रामप्रसाद जाट, अखलेश सिन्हा, अभिषेक केसरी, सुनीता कसेरा, गरिमा, सुजाता, रामहंस, राजेश धाभाई, रामकेश, राजेश कुमार, श्याम लाल, गौरव धाभाई, रामभरोसी, कंवर सिंह जाटव, मिश्री लाल जाटव आदि वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए।

दैनिक नवज्योति — AasPaas - 12 Dec 2020

अन्तरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाया

नवज्योति, खमनोर। जतन संस्थान व चाइल्ड लाइन टीम के संयुक्त तत्वाधान में 16 दिवसीय अभियान के तहत गुरुवार को खमनोर ब्लॉक के धांयला ग्राम पंचायत स्थित प्राथमिक विद्यालय नला में विश्व मानवाधिकार दिवस आयोजित किया गया। जिसमें टीम मेम्बर रेशमा परवीन ने महिला हिंसा की रोकथाम के लिए 16 दिवसीय पखवाड़ा के दौरान आयोजित की गई गतिविधियों पर प्रकाश डाला। दुर्गाशंकर भील, दीपिका जोशी ने महिला हिंसा पर कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लैंगिक भेदभाव सामूहिक प्रयासों से कमी लानी जरूरी है। टीम मेम्बर हरीलाल व अभयसिंह द्वारा चाइल्ड लाइन एवं टोल फ्री नंबर 1098 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। टीम मेम्बर हरीलाल मीणा ने भी सम्बोधित किया।

दैनिक भास्कर — राजसमन्द भास्कर 23-06-2020

बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक ने चाइल्ड लाइन टीम के साथ मनरेगा का निरीक्षण किया

खमनोर. मनरेगा कार्य स्थल पर जानकारी देते अधिकारी।

खमनोर | बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक और जिले में संचालित जतन संस्थान द्वारा चाइल्ड लाइन परियोजना की टीम नरेगा कार्यरत श्रमिकों के बच्चों के बारे में जानकारी ली गई। जिला समन्वयक संजय राव ने बताया की पंचायत समिति खमनोर धायला पंचायत के कुंचोली, धायला, गारियावास, उठारड़ा की भागल, सराटीया, आदि गांवों में चल रहे नरेगा कार्य का निरीक्षण किया गया। इसमें कोरोना महामारी के बचाव संबंधित जानकारी दी गई।

सहायक निदेशक कृष्णकांत सांखला ने श्रमिकों से बात कि इसमें उन्हें बाल संरक्षण के लिए जागरूक किया गया तथा नरेगा में आने वाले कितने परिवारों के पास बच्चे है? और वो नरेगा में आने के बाद की बच्चों की देख रेख को लेकर क्या स्थिति है? आदि बातों के ऊपर चर्चा की गई। नरेगा में कार्यरत कार्मिकों के बच्चों के लिए क्रेच की आवश्यकता के बारे में सर्वे किया गया। इस दौरान नरेगा श्रमिकों ने बताया की कोरोना के डर के चलते बच्चों को घर पर ही रखकर आते है, बच्चों को हमारे साथ नहीं लाते है, बच्चों को घर पर दादा-दादी या बच्चों के पिता के पास रखकर आते है एंव घर जाने के बाद नहाने के बाद ही बच्चों के पास जाते है। टीम सदस्य जीएल गुर्जर ने श्रमिकों के श्रमिक कार्ड संबंधित जानकारी देते हुए बताया कि कोई भी श्रमिक 90 दिवस का कार्य पूर्ण होने के बाद अपना श्रमिक कार्ड बनवा सकता है। जिससे उसे श्रम कल्याण की योजना से लाभ मिल सकता है।

कार्यशाला में महिलाओं को बताए उनके अधिकार

नवज्योति/रेलमगरा। द हंगर प्रोजेक्ट जयपुर एंव जतन संस्थान रेलमगरा के संयुक्त तत्वाधान में महिला जनप्रतिनिधियों का दो दिवसीय कार्यशाला राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय कुरज में हुई। सुमित्रा मेनारिया द्वारा बताया कि कार्यशाला में महिला जनप्रतिनिधियों के क्षमता कि पहचान करना, राजनैतिक पहचान करवाना, भूमिका एवं जिम्मेदारियां से अवगत करवाया गया। कार्यशाला में सरपंच, उपसरपंच, वार्डपंच सहित श्यामा वैष्णव, सुनील शर्मा, निशा राजपूत, कन्हैयालाल कुमावत मौजुद थे।

असली दीवाली: बच्चों के चेहरों पर झलकती खुशी एसपी: यादव

मेरी दिवाली भी उजियाली अभियान का शुभारंभ

गुरूज्योति पत्रिका

खमनोर /घनश्याम सेन। आज के इस दौर में जब सभी ओर कोरोना संक्रमण का एक भय सा व्याप्त है, अपनी दिवाली उन बच्चों के चेहरों पर खुशियाँ ला कर मनाना पुनीत कार्य होगा जो इन खुशियों से कोसों दूर है। आप से आग्रह है कि जतन संस्थान चाइल्ड लाइन द्वारा शुरू किये गए इस अभियान में सहयोग देते हुए बच्चों के लिए खिलोने, पुस्तकें और कपडे भेंट कर उनकी दीवाली को रोशन करें। उक्त विचार राजसमन्द के जिला पुलिस अधीक्षक भुवन भूषण यादव ने मेरी दीवाली भी उजियाली अभियान की शुरुआत करते हुए व्यक्त किये। राजसमन्द चाइल्ड लाइन की ओर से 15 दिवसीय अभियान की शुरुआत आज जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय से की गयी।

उद्देश्य वंचित बालक-बालिकाओं के लिए जरूरी सामग्री एकत्रित कर उन तक पहुंचाना और उनकी दिवाली सफल और खुशहाल बनाना है। अभियान में जिले के लगभग 5000 बच्चों तक उक्त सामग्री पहुँचाने का प्रयास किया जायेगा।

शुभारम्भ कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक भुवन भूषण यादव, अति. जिला पुलिस अधीक्षक राजेश गुप्ता, बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक कृष्ण कांत

WEAR MASK

संक्षिप्त रूप Abbreviations

Sr. No.	Abbreviation	Full Form.
1	FCRA	The Foreign Contribution (Regulation) Amendment Act, 2020
2	FAYA	Feminist Adolescent and Youth-Led Action
3	PFI	Population Foundation of India
4	ICDS	INTEGRATED CHILD DEVELOPMENT SERVICES
5	CDPO	Child Development Project Officer
6	IEC	Information, Education & Communication
7	PD	Positive Deviance
8	ANM	Auxiliary Nurse Midwifery
9	ICU	Intensive Care Unit
10	MTC	Malnutrition Treatment Centres
11	LED	light-emitting diodes
12	CAB	Child Advisory Board
13	RPF	Railway Protection Force
14	NSE	National Stock Exchange
15	SMILE	Social Media Interface for Learning Engagement
16	SMC	School Management Committee
17	GLC	Gyanodaya Learning Centre
18	PEEO	panchayat elementary education officers
19	ABL	Activity Based Learning
20	IWA	Influence Without Authority
21	ISAP	Indian Society of Agribusiness Professional
22	CECOEDECON	Centre for Community Economics and Development Consultants Society
23	SHG	Self Help Group
24	CPC	Child Protection Committee
25	KGBV	Kasturba Gandhi Balika Vidyalaya
26	CIFF	Child Investment Fund Foundation
27	ICRW	International Center for Research on Women
28	RSCERT	The Rajasthan State Council of Educational Research and Training
29	SMSA	Samagra Shiksha Abhiyan
30	GEMS	Gender Equality movement in school for boys
31	GUPS	Government Upper Primary School
32	GSSS	Government Senior Secondary School
33	SDMC	School Development Management Committee
34	AJWS	American Jewish World Service
35	HIV	Human immunodeficiency viruses
36	AFHC	Adolescent Friendly Health Clinics
37	NFHS	National Family Health Survey
38	SDM	Sub Divisional Magistrate
39	KRP	Key Resource Person
40	DIY	Do It Yourself
41	DRCDSSS	Disha Roman Catholic Diocesan Social Service Society
42	AMIID	Alwar Mewat Institute of Education and Development
43	PC	Poshan Champion
44	CSR	Corporate Social Responsibility
45	MIS	Management Information Systems

जुड़ाव जतन से ...

Let's Connect

JATAN SANSTHAN
Working With Young People

Home | Our Team | Work Areas | Uger | Publications | Contact Us | Blog | Donation | hr@jatansansthan.org

Jatan Sansthan

जतन | جتن | Jatan

Jatan in Hindi means an effort. It also means energy, striving, endeavour, diligence and perseverance.

Jatan's logo reflects this, as youth reach out for the sun, the source of life.

जतन संस्थान

जतन संस्थान

5, तिरुपति विहार, भुवाणा, उदयपुर

राजस्थान, भारत

313001

www.jatansansthan.org